राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,२१ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३२२ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार में आतंकी फैला रहे स्लीपर सेल का नेटवर्क, पकड़ाए अफगानी नागरिकों ने किए कई चौंकाने वाले खुलासे

पूर्णिया। बिहार के सीमांचल के जिलों में कई प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के द्वारा स्लीपर सेल का काम किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी, नेपाल, बांग्लादेश में बैठकर आतंकी संगठनों के लोग पूर्णिया, अररिया, कटिहार किशनगंज और मिथिलांचल के मधुबनी, समस्तीपुर और दरभंगा के जिलों में अपना नेटवर्क लगातार फैला रहे हैं। बताया जाता है कि नेपाल के विराट नगर से सीमांचल के जिलों में मॉनिटरिंग और फंडिंग का काम आतंकी संगठन के द्वारा स्लीपर सेल में लगे लोगों के लिए किया जा रहा है। तीन दिन पहले कटिहार में पकड़ाए अफगानी नागरिकों से पूछताछ में इस तरह के कई सुराग सुरक्षा एजेंसी और पुलिस की टीम को हाथ लगी हैं। इस तरह की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसी हरकत में आ गई है। गृह मंत्रालय के लखनऊ विंग की टीम लगातार सुरक्षा एजेंसी और खुफिया विभाग की मदद से इस इलाके में पड़ताल में जुट गई है।

अफगानी नागरिकों को रिमांड पर लेने की तैयारी में सुरक्षा एजेंसी

अफगानी नागरिक से पूछताछ में मिली जानकारी को कटिहार एसपी विकास कुमार के द्वारा सुरक्षा एजेंसी और खुफिया विभाग को सुपुर्द कर दिया गया है। जल्द ही सुरक्षा एजेंसी के सदस्य केंद्रीय कारा पूर्णिया में बंद पांचों अफगानी नागरिक को पूछताछ के लिए रिमांड पर लेने की तैयारी कर रहा है। पूर्व में भी कटिहार जिला के कदवा और बारसोई से पूर्णिया जिला के जलालगढ़ से कई प्रतिबंधित आतंकी संगठन के सदस्य को सुरक्षा एजेंसियों के द्वारा पकड़ा जा चुका है। अफगानी नागरिक के द्वारा दी गई जानकारी के बाद इस इलाके में और भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। चप्पे-चप्पे पर नजर भी रखी जा रही है।

केंद्रीय कारा में लाकर रखे गए पांचों अफगानी नागरिक को अलग-अलग सेल में रखा गया है। 24 घंटे निगरानी भी कारा प्रशासन के द्वारा की जा रही है।

किसान आंदोलन के बीच पीएम मोदी पहुंचे रकाबगंज गुरुद्वारा जाकर टेका माथा

ना था पुलिस बंदोबस्त और ना ही की गई बैरिकेडिंग

नई दिल्ली। कृषि कानूनों को लेकर पंजाब के किसानों के दिल्ली सीमा पर डटे रहने के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अचानक दिल्ली के रकाबगंज साहिब गुरुद्वारे पहुंचे और माथा टेका। पीएम मोदी ने अपने सर्वोच्च बलिदान के लिए यहां सिखों के नौवें गुरु तेग बहादुर को श्रद्धांजलि दी। खबरों के मुताबिक, प्रधानमंत्री का यह दौरा अचानक हुआ। यह कार्यक्रम पहले से तय नहीं था। ऐसे में किसान आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री मोदी का रकाबगंज गुरुद्वारे का दौरा अहम माना जा रहा है। जिस समय प्रधानमंत्री गुरुद्वारा गए उस समय सड़कों पर किसी तरह का पुलिस बंदोबस्त नहीं किया गया था और आम लोगों की सुविधा को देखते हुए ना ही बैरिकेड लगाए गए थे । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने इस दौरे की कुछ तस्वीरें खुद ट्वीट की हैं और गुरुमुखी भाषा में संदेश दिया है।

प्रधानमंत्री का यह दौरा अचानक हुआ। यह कार्यक्रम पहले से तय नहीं था। ऐसे में किसान आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री मोदी का रकाबगंज गुरुद्वारे का दौरा अहम माना जा रहा है। जिस समय प्रधानमंत्री गुरुद्वारा गए उस समय सड़कों पर किसी तरह का पुलिस बंदोबस्त नहीं किया गया था

किसान आज मना रहे 'श्रद्धांजलि दिवस'

दिल्ली बॉर्डरों पर कृषि कानूनों के विरोध में पआदर्शन कर रहे किसान भी 20 दिसंबर यानी आज श्रद्धांजलि दिवस का आयोजन कर रहे हैं, नए कृषि कानूनों के खिलाफ जारी आंदोलन में जान गंवाने वालों की याद में देशभर के किसान 'श्रद्धांजलि दिवस' के रूप में मनाएंगे। इस दौरान प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया जाएगा।

25 दिसंबर को अटल जी के जन्मदिन पर उत्तर प्रदेश के किसानों से संवाद करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन के मौके पर 25 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के किसानों से संवाद करेंगे। बीजेपी के मुताबिक, इस संवाद में उत्तर प्रदेश के करीब 2500 इलाकों से किसान हिस्सा लेंगे। जारी किए एक बयान के मुताबिक, पार्टी ने इस कार्यक्रम के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। यूपी बीजेपी प्रमुख स्वतंत्र देव सिंह और पार्टी नेता राधा मोहन सिंह ने इस कार्यक्रम को लेकर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ वर्चुअल बैठक भी की। राधा मोहन सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार गरीबों और किसानों के कल्याण के लिए समर्पित है। राधा मोहन सिंह ने कहा, मोदी सरकार में जितने काम किए गए हैं अगर पहले की सरकारों में इतने काम किए गए होते तो आज किसानों की हालत बेहतर होती। उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर केंद्र द्वारा लाए गए नए कृषि कानूनों को लेकर झूठ फैलाने का आरोप भी लगाया।

किसानों के लिए दिल्ली पहुंचा पंजाब का मेडिकल स्टाफ, कहा-सेवा को तैयार

नई दिल्ली। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली सीमा पर अड़े किसानों को रोजाना समर्थन करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। राजनेताओं से लेकर आम जन तक काफी लोग किसानों के पक्ष को सही मान रहे हैं। इसी कड़ी में पंजाब के विभिन्न अस्पतालों का मेडिकल स्टाफ सिंघू बॉर्डर (दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर) पर पहुंचा है। लुधियाना के एक अस्पताल में स्टाफ नर्स के रूप में काम कर रही हर्षदीप कौर ने कहा कि, हम यहां आंदोलनकारी किसानों का समर्थन करने के लिए तैयार हैं, लेकिन अगर कोई भी बीमार पड़ता है तो हम सभी की सेवा के लिए तैयार हैं। कानूनों को रद्द कराने पर अड़े किसान इस मुद्दे पर सरकार के साथ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर चुके हैं। इसके लिए दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का आंदोलन आज 25वें दिन भी जारी है। किसानों ने सरकार से जल्द उनकी मांगें मानने की अपील की है। वहीं सरकार की तरफ से यह साफ कर दिया गया है कि कानून वापस नहीं होगा, लेकिन संशोधन संभव है। इस बीच, दिल्ली-जयपुर हाइवे पर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने राजस्थान में किसानों को उनके घरों से प्रदर्शनस्थल तक लाने-ले जाने के लिए बसों की व्यवस्था भी की है। किसानों का कहना है कि यह मुफ्त बस सेवा ज्यादा से ज्यादा किसानों को प्रदर्शन से जुड़ने में मदद करेगी।

अखिलेश की नरमी के बीच शिवपाल ने दिखाए तेवर, कहा-झुककर नहीं करेंगे गठबंधन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की नरमी के बीच प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रमुख शिवपाल यादव ने कहा है कि उनकी पार्टी 2022 के विधानसभा चुनाव में किसी से गठबंधन नहीं करेगी. शिवपाल यादव ने ऐलान किया है कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी 2022 में किसी से झुककर अलायंस नहीं करेगी. उन्होंने कहा कि हम छोटे-छोटे दलों को जोड़ेंगे और किसी एक बड़े दल के साथ गठबंधन करेंगे. शिवपाल यादव ने यह भी दावा किया कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के बिना प्रदेश में कोई सरकार नहीं बनेगी. उन्होंने कहा कि हम अगली सरकार में आएंगे और जब हम अगली सरकार में शामिल होंगे तो किसानों की समस्या खत्म होगी. उन्होंने कहा कि इस चुनाव में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी का चुनाव चिह्न चाबी छाप रहेगा. असल में, अखिलेश यादव ने अपने चाचा शिवपाल यादव की प्रगतिशील समाजवादी पार्टी को अपने साथ समायोजित करने और उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया था.

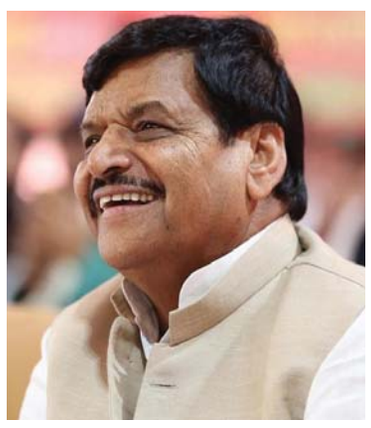

लेकिन सपा प्रमुख की इस पेशकश को शिवपाल यादव ने ठुकरा दिया. उन्होंने अपना अलग गठबंधन बनाने और चुनावी बिगुल फूंकने का ऐलान किया है.

अखिलेश ने दिया था प्रस्ताव

अखिलेश यादव ने पिछले दिनों कहा था कि 2022 के विधानसभा चुनाव में छोटे दलों के साथ हाथ मिलाया जाएगा, लेकिन किसी भी बड़े दल से कोई गठबंधन नहीं होगा. शिवपाल यादव की पार्टी से गठबंधन पर अखिलेश का कहना था, 'उस पार्टी को भी एडजस्ट करेंगे. जसवंतनगर उनकी (शिवपाल) सीट है. समाजवादी पार्टी ने वह सीट उनके लिए छोड़ दी है और आने वाले समय में उनके लोग मिलें, सरकार बनाएं, हम उनके नेता को कैबिनेट मंत्री भी बना देंगे. इससे ज्यादा और क्या एडजस्टमेंट चाहिए?'

ठुकरा चुके हैं ऑफर

हालांकि शिवपाल सिंह यादव पहले ही कह चुके हैं कि 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव के लिए उनकी पार्टी का सपा में विलय नहीं होगा बल्कि वो तमाम छोटी-छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ेंगे. उनका कहना था, 'अखिलेश यादव का मुझे एक सीट या फिर हमें कैबिनेट मंत्री पद का प्रस्ताव देना एक मजाक है.'

कोरोना के एक्टिव केस में केरल-महाराष्ट्र सबसे आगे, 40 प्रतिशत सक्रिय मामले यहां से

नई दिल्ली। देश और दुनिया लगातार कोरोना से जूझ रहे हैं लेकिन भारत की बात करें तो रिकवरी रेट और एक्टिव मामले बीच-बीच में राहत देते दिखते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की जानकारी के अनुसार इस समय 33 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 20,000 से कम सक्रिय मामले हैं। केरल और महाराष्ट्र में कोविड-19 के सक्रिय मामले इसका 40 प्रतिशत हिस्सा हैं। कोरोना वायरस से दुनियाभर में अब तक 15.95 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 7.1 करोड़ से ज्यादा लोग अब तक इसकी चपेट में आ चुके हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक विश्व के 192 देशों में कोरोना वायरस से अब तक 7.1 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं जबकि 15 लाख 94 हजार 775 मरीज अपनी जान गंवा चुके हैं। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित अमेरिका में अब तक 1.58 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं, जबकि 2.95 लाख से ज्यादा मरीजों की मौत हुई है। संक्रमण के मामलों के हिसाब से दूसरे सबसे बड़े देश

भारत में संक्रमितों की संख्या करीब 98.26 लाख हो गई है। इस दौरान 33,494 मरीजों के स्वस्थ होने के साथ कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या 93.24 लाख से अधिक हो गई है। ने मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक रहने से सक्रिय मामले घटकर करीब 3.60 लाख रह गए हैं।

रिलायंस बना रही गुजरात के जामनगर में दुनिया का सबसे बड़ा चिड़ियाघर, ये होगी खासियत

अहमदाबाद। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड गुजरात के जामनगर में दुनिया का सबसे बड़ा चिड़ियाघर बनाने के प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है. माना जा रहा है कि अगले 2 साल में यह बनकर आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा दावा है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा चिड़ियाघर है. इसमें विभिन्न प्रजातियों के जानवरों, पक्षियों और सरीसृप जीवों को रखा जाएगा. यहां जानवर देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से लाए जाएंगे. इस प्रोजेक्ट को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एमडी मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी देख रहे हैं. यह चिड़ियाघर 280 एकड़ में बनाया जाएगा. जामनगर में जहां

रिलायंस रिफाइनरी है उसी के पास मोती खावड़ी के समीप चिड़ियाघर को बनाया जाएगा. इस साल लॉकडाउन और कोरोना की वजह से इस प्रोजेक्ट में थोड़ी देरी हुई है. लेकिन अगले 2 साल में यह प्रोजेक्ट बनकर पूरी तरह से तैयार हो जाएगा. रिलायंस के कॉर्पोरेट अफेयर डायरेक्टर परिमल नाथवानी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट को ग्रीन्स जियोलॉजिकल रेस्क्यू और रिहैबिलिटेशन किंगडम नाम दिया गया है. केंद्र और राज्य सरकार के तमाम विभागों की अनुमति भी ली जा चुकी है.

चिड़ियाघर का नक्शा

चिड़ियाघर में सभी जानवरों के लिए अलग अलग सेक्शन होंगे. इसमें फॉरेस्ट ऑफ इंडिया, फ्रॉग हाउस इंसेक्ट, लाइव ड्रैगन लैंड, एग्जॉटिका आईलैंड, वाइल्ड ट्रेल्स ऑफ गुजरात, एक्वेटिक किंगडम के नाम से सेक्शन बनाए जाएंगे. यहां जानवरों को उस तरह का वातावरण दिया जाएगा जो उनके रहने के लिए अनुकूल हो.

जानवरों की प्रजातियों की बात करें तो बार्किंग डियर्स, फिशिंग कैट्स, स्लोथ बीयर्स (भालू), भेड़िये, कोमोडो ड्रैगंस जैसे मुख्य आकर्षण होंगे. इसके अलावा अफ्रीकी शेर, जगुआर (तेंदुआ), चीता, 20 जिराफ, 12 शुतुरमुर्ग, अफ्रीकी हाथी, सारंग जैसे जानवर भी होंगे. ऐसे ही फ्रॉग हाउस में करीब 200 अलग-अलग तो वहीं एक्वेटिक किंगडम में 350 तरह की मछलियां मौजूद होंगी.

पार्टी की बैठक में राहुल गांधी ने दिए कांग्रेस अध्यक्ष बनने के संकेत, असंतुष्ट नेताओं अभी भी नहीं तैयार

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी के भीतर व्याप्त असंतोष को समाप्त करने के लिए शनिवार को सोनिया गांधी के आवास पर बुलाई गई एक महत्वपूर्ण बैठक में फिर से कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में अपनी वापसी का संकेत दिया। महत्वपूर्ण बैठक में, सोनिया ने पार्टी नेताओं से एक परिवार के रूप में साथ चलने की अपील की। हालांकि, अगर असंतुष्ट नेताओं के करीबी सूत्रों की माने तो विवाद का कोई ठोस हल नहीं निकला है और आने वाले दिनों में और बैठकें आयोजित की जाएंगी। कई महीनों के बाद कोविद -19 महामारी के कारण, सोनिया ने पार्टी के शीर्ष नेताओं की एक बैठक बुलाई जिसमें असंतुष्ट गुट के सात नेता भी शामिल हुए। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सहित कुल 19 नेता उपस्थित थे।

सोनिया ने कहा, ÷हम सभी एक परिवार की तरह हैं और सभी को मिलकर पार्टी को मजबूत करना है। असंतुष्ट नेताओं ने भी उस पर अपना पक्ष व्यक्त किया। सूत्रों के मुताबिक, सोनिया ने इन नेताओं से कहा कि वह उनकी चिंताओं को दूर करेंगी।

पार्टी के एक शीर्ष सूत्र के मुताबिक, राहुल ने बैठक में कहा कि पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, वह उसे पूरा करेंगे। हालांकि, जब नेताओं

ने उन्हें अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के लिए कहा, तो राहुल ने यह कहकर जवाब दिया कि इस समय चुनावी प्रक्रिया पर इस मुद्दे को छोड़ना बेहतर होगा।

सूत्रों ने कहा कि बैठक में एके एंटनी और विवेक तन्खा सरीखे कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने राहुल गांधी के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए फिर से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने की अपील की। इसपर राहुल ने कहा कि वह सभी वरिष्ठ नेताओं को महत्व देते हैं, क्योंकि उनमें से कई उनके पिता के दोस्त थे और वे पार्टी के लिए महत्वपूर्ण हैं।

एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि बैठक में मौजूद असंतुष्ट नेताओं ने कांग्रेस नेतृत्व पर भरोसा जताया और कहा कि उन्हें पार्टी नेतृत्व की क्षमता और सभी को साथ लेकर चलने की वैचारिक प्रतिबद्धता में विश्वास है। हालांकि, असंतुष्ट नेताओं के करीबी सूत्रों ने दावा किया कि यह बैठक उनकी वजह से हुई और विवाद को सुलझाने के लिए आगे की बैठकें होंगी।

दूसरी ओर, सूत्रों ने यह भी बताया कि बैठक में सोनिया ने कहा कि हम जल्द ही बीजेपी को हराने की रणनीति बनाने के लिए एक चिंतन शिविर (बुद्धिशीलता सत्र) आयोजित करेंगे और जनता को मोदी सरकार की विफलताओं के बारे में बताएंगे।

लगभग पांच घंटे तक चली बैठक के अंत के बाद मीडिया से बात करते हुए, पृथ्वीराज चौहान ने कहा कि पहली बैठक पार्टी का भविष्य तय करने के लिए आयोजित की गई थी, इस तरह की और भी बैठकें होंगी और पंचगनी या शिमला में चिंतन शिविर का आयोजन किया जाएगा।

पवन बंसल ने बताया कि सभी नेताओं ने कहा कि पार्टी को राहुल गांधी के नेतृत्व की जरूरत है। हालांकि, कांग्रेस के असंतुष्ट गुट के एक प्रमुख नेता ने कहा कि सभी नेताओं की राहुल गांधी की वापसी के बारे में समान राय नहीं थी। संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और रणदीप सुरजेवाला भी बैठक में मौजूद नहीं थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जल्द दूर किया जाए गतिरोध

किसान आंदोलन के मामले में न्यायालय के दखल से बेहतर नतीजे निकलने की उमीद बनी है। देश के विभिन्न हिस्सों से जुटे किसान पिछले 23 दिनों से दिल्ली की सीमाओं पर डेरा डाले हुए हैं। सरकार और किसान नेताओं के बीच अब तक की बैठकें बेनतीजा रही हैं। किसान अड़े हुए हैं कि सरकार कृषि कानूनों को रद्द करे और दूसरी तरफ सरकार अपने फैसले पर अडिग है। इस मसले को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसी समिति का गठन किया जाना चाहिए, जिसमें सदस्य के तौर पर स्वतंत्र कृषि विशेषज्ञ शामिल हों और वे दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपनी राय दें कि इस मामले में या किया जा सकता है। सरकार से यह भी पूछा कि या इस मामले को लेकर सुनवाई चलने तक कानूनों को स्थगित रखा जा सकता है। अदालत ने किसानों के शांतिपूर्वक आंदोलन जारी रखने को उचित ठहराया है। केंद्र सरकार या रुख अतियार करती है। वहीं किसानों का कहना है कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं, मगर सरकार कानून रद्द करे। दोनों पक्षों के रुख से स्पष्ट है कि मामला जल्दी सुलटने वाला नहीं है। और सुलटेगा भी तो एक पक्ष को झुकना पड़ेगा। दरअसल, किसान आंदोलन के लंबा खिंचते जाने का बड़ा कारण कृषि कानूनों को लेकर पैदा हुए भ्रमों या विवादों के निवारण का संजीदगी से प्रयास न किया जाना है। जबसे ये कानून बने हैं, तभी से किसान आंदोलन कर रहे हैं। मगर सरकार ने पहले इसे केवल पंजाब और हरियाणा के संपन्न किसानों का राजनीति से प्रेरित आंदोलन करार देकर दरकिनार करने का प्रयास किया। फिर जब देश के किसान संगठनों ने एकजुट होकर दिल्ली की तरफ कूच कर दिया तो उन्हें बलपूर्वक रोकने की कोशिश की गई। आखिरकार वे दिल्ली की सामाओं पर आ पहुंचे और वहीं धरने पर बैठ गए। उसके बावजूद सरकार और भाजपा के कई नेता इस आंदोलन को लेकर अगंभीर किस्म के बयान देने लगे। इससे किसानों का रोष और बढ़ा। अब भी ऐसी टिहश्वपणियां बंद नहीं हुई हैं। इस आंदोलन में लाखों किसान शामिल हैं और उनके समर्थन में कई बड़े खिलाड़ी, समाजसेवी, बुद्धिजीवी उतर चुके हैं। अलग-अलग दिन देश के विभिन्न हिस्सों में प्रतीकात्मक बंद, टोल नाके पर अवरोध जैसे कार्यक्रम चलाए जा चुके हैं, पर सरकार की तरफ से किसान नेताओं के साथ कोई सार्थक बातचीत नहीं हो सकी है। इस दौरान धरने पर बैठे करीब बीस किसानों की मौत हो चुकी है। सिख संत बाबा राम सिंह किसानों की दशा से विचलित होकर खुदकुशी कर चुके हैं। सरकार बार-बार कहती आ रही है कि इन कानूनों से किसानों को लाभ होगा, उनके हित किसी भी प्रकार प्रभावित नहीं होंगे। अब भाजपा ने किसानों को इन कानूनों के बारे में समझाने के लिए अपनेकार्यकर्ता और नेताओं को विभिन्न प्रदेशों में भेजा है। मगर जरूरी है कि सरकार किसानों का भरोसा जीते।

रिश्ते और समझौते

ऐसे वक्त में जब पड़ोसी देश बांग्लादेश अपनी आजादी की 49वीं वर्षगांठ मना रहा है, भारत के साथ शिखर वार्ता के खास मायने हो जाते हैं। बांग्लादेश ने दोहराया भी है कि उसकी आजादी में भारत का बड़ा योगदान है। इसी के मद्देनजर कट्टरपंथियों को जवाब देते हुए प्रधानमंत्री बनी शेख हसीना ने विजय दिवस के मौके पर कहा कि मुक्ति युद्ध में सभी धर्मों के लोगों के बलिदान का साझा इतिहास है। यहां सभी धर्मों के लोगों को अपने धार्मिक रिवाजों का पालन करने की आजादी है। बहरहाल, बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के बीच हुई वर्चुअल शिखर वार्ता बेहद उपयोगी रही। प्रधानमंत्री मोदी ने जहां बांग्लादेश को 'पड़ोस प्रथम' नीति का प्रमुख स्तंभ बताया, वहीं शेख हसीना ने भारत को सच्चा मित्र बताया। इस दौरान हुए सात समझौते दोनों देशों के बेहतर होते रिश्तों का पर्याय हैं। सबसे महत्वपूर्ण साढ़े पांच दशक बाद रेल संपर्क बहाल करने की पहल है। निस्संदेह कोरोना काल में दोनों देशों की सार्थक भागेदारी रही है, जिसे अब और आगे बढ़ाया गया है। दोनों देशों के बीच चिलाहाटी हल्दीबाड़ी रेल संपर्क बहाल करने से जहां पश्चिम बंगाल और असम से बांग्लादेश के लिये आ?वाजाही सरल होगी, वहीं इससे कारोबार के लिये भी सुविधा होगी। इस दौरान आर्थिक अनुदान से जुड़े समझौतों के अलावा वन्य जीवों के संरक्षण से जुड़े प्रोटोकॉल, कृषि क्षेत्र में सहयोग को लेकर भी समझौते हुए हैं। अतीत में बांग्लादेश में भारत के खिलाफ कट्टरपंथी उभार और भारतीय अलगाववादियों के खिलाफ कदम उठाने में शेख हसीना सरकार ने सार्थक पहल की है। इतना ही नहीं, शेख हसीना ने वर्ष 2018 में दुर्गा पूजन के अवसर पर ढाका के मशहूर ढाकेश्वरी मंदिर के लिये डेढ़ बीघा जमीन तोहफे में देकर सरकार की धर्मनिरपेक्षता की नीति को ही पुख्ता किया है।? हाल के दशक में बांग्लादेश ने अप्रत्याशित रूप से आर्थिक विकास किया है, जिसके चलते संयुक्त राष्ट्र की विकास की निगरानी करने वाली एजेंसियां उसे अल्पविकसित राष्ट्र से विकासशील देश के रूप में मान्यता देने के बाबत विचार कर रही हैं। खासकर रेडिमेड गारमेंट्स के मामले में वह चीन के बाद दूसरे नंबर पर आ गया है। विकास दर में उसने पाकिस्तान को पछाड़ दिया है।?ऐसे में कारोबारी सहयोग की नजर से वह भारत के लिये उपयोगी साबित हो सकता है। हालिया शिखर वार्ता इस मायने में महत्वपूर्ण है कि इससे चीन के बढ़ते विस्तार को रोकने में मदद मिलेगी। हाल के दिनों में चीन बांग्लादेश में अपने साम्राज्यवादी मंसूबों को लगातार अंजाम दे रहा है, जिससे भारत के लिये कई तरह से चुनौती पैदा हो सकती है। चीन जहां एक ओर 'वन बेल्ट, वन रोड' परियोजना के तहत आर्थिक मदद कर रहा है, वहीं बांग्लादेश की कई आर्थिक परियोजनाओं को मदद मुहैया करा रहा है। इसमें पद्मा नदी पर चार अरब डॉलर की मदद से बनने वाली ब्रिज रेल लाइन परियोजना भी शामिल है। इसके साथ उसने बांग्लादेश को 38 अरब डॉलर का कर्जा देने की भी बात कही है।

हालांकि, इस देश में इस बात को लेकर भी चिंता जतायी जा रही है कि

विदेशी मीडिया

ओली की दयनीय कोशिशें

इस साल की शुरुआत में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को उस वक्त बड़ा झटका लगा था, जब नई पार्टी के पंजीकरण; और सांविधानिक परिषद से संबंधित दो अध्यादेशों को लागू करने की उनकी कोशिशें नाकाम हो गई थीं। कोई भी संवेदनशील नेता होता, तो उस नाकामी से जरूर सबक सीखता। मगर ऐसा लगता है कि ओली उन लोगों में से नहीं, जो अपने अनुभवों से सबक ले सकें। बीते मंगलवार को उन्होंने एक और अध्यादेश 'सांविधानिक परिषद अधिनियम (कार्य, कर्तव्य और प्रक्रिया)2010' राष्ट्रपति को भेजा, जिसके जरिए वह दो प्रावधानों में संशोधन करना चाहते थे। इन संशोधनों के मुताबिक, यदि मौजूदा सदस्यों में से ज्यादातर बैठक में भाग लेते हैं और बहुमत के आधार पर फैसला करते हैं, तो परिषद को बैठक बुलाने का अधिकार होगा। और जैसी उम्मीद थी, राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने अध्यादेश की घोषणा में कोई वक्त नहीं लगाया। अपनी पार्टी के भीतर के संघर्ष से निपटने के लिए ओली ने इस अध्यादेश के हथौड़े का इस्तेमाल किया, लेकिन उन्हें अपने फैसले के विरोध का भी अंदाजा होना चाहिए था। अंततः पार्टी के भीतर और बाहर भारी विरोध के कारण उन्हें वह अध्यादेश फौरन वापस लेना पड़ा। यह एक ऐसे ड्रामे की तरह था, जिसका समापन 24 घंटे के भीतर ही हो गया, और फिर सब कुछ पूर्ववत हो गया।

वास्तव में, ओली के बेतुके राजनीतिक दांव-पेच ने देश को सांविधानिक संकट के कगार पर खड़ा कर दिया है। वह न सिर्फ अपने पद से जुड़ी जिम्मेदारी निभाने में विफल हुए हैं, बल्कि अपनी पार्टी की आंतरिक उठा-पटक में उन्होंने राष्ट्रपति के कार्यालय को भी घसीट लिया है। राष्ट्रपति के दफ्तर की कल्पना एक गैर-पक्षपातपूर्ण सांविधानिक संस्था के रूप में की गई थी, मगर अफसोस, राष्ट्रपति की भूमिका को सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की अंदरूनी राजनीति में हस्तक्षेप के तौर पर देखा गया। सच यह है कि ओली अपनी पार्टी में अलग-थलग पड़ गए हैं और किसी तरह सत्ता में बने रहने की उनकी चालें लोकतांत्रिक मूल्यों को चोट पहुंचा रही हैं।

संवाद से सुलझेगा विवाद

उपेन्द्र राय

कृषि कानूनों को लेकर किसान संगठनों और सरकार के बीच गतिरोध लगातार जारी है।

किसान संगठन कृषि से जुड़े तीनों नये कानूनों को वापस लेने की मांग पर अड़े हुए हैं, जबकि सरकार भी इन्हें वापस लेने के बजाय संशोधन करने के अपने रुख पर कायम है। मुश्किल यह है कि इससे कोई रास्ता निकल नहीं रहा है और आंदोलन अब अपने 25वें दिन में प्रवेश कर गया है। हर गुजरते दिन के साथ यह सवाल बड़ा होता जा रहा है कि आखिर सरकार और किसानों के बीच सुलह का रास्ता निकलेगा कैसे?

गृहमंत्री अमित शाह से लेकर कृषि मंत्री नरेन्द्र तोमर और सरकार के कई मंत्री किसानों से आंदोलन की राह छोड़कर बातचीत से मसला सुलझाने की अपील कर चुके हैं। सीधे-सीधे न सही, मगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कई सार्वजनिक मंचों से किसानों को मनाने का उपक्रम कर चुके हैं, लेकिन किसान टस-से-मस होने को तैयार नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में दखल देने से इनकार करते हुए सरकार और किसानों को बातचीत से हल निकालने का मशविरा दिया है, लेकिन हल निकलेगा तब जब दोनों पक्ष अपने रुख से थोड़ा पीछे हटें और बीच का रास्ता निकालने की बुनियाद बनाएं। यकीनन इसकी जिम्मेदारी सरकार की है, लेकिन किसानों को भी समझना होगा कि 'सारी मांगें मनवाएंगे और ऐसा न होने तक डटे रहेंगे' वाला फॉर्मूला दुनिया के किसी सफल आंदोलन की बुनियाद नहीं बना है। वैसे बीच का रास्ता निकालने और किसानों की आशंकाएं दूर करने के लिए ही सरकार बार-बार कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव दे रही है। जिस एमएसपी के मुद्दे पर किसानों को सबसे ज्यादा ऐतराज है, उस पर भी सरकार लिखित में आश्वासन देने को तैयार है। यह भी देखना होगा कि नये कानून को बने छह महीने से ज्यादा का वक्त बीत चुका है और एमएसपी की व्यवस्था उसी तरह जारी है जैसे कानून बनने से पहले थी। एमएसपी पर खरीद भी उन्हीं मंडियों से की जा रही है, जिनके बारे में कहा जा रहा है कि वो नये कानून आने के बाद खत्म हो जाएंगी।

ऐसा भी नहीं कहा जा सकता कि यह व्यवस्था केवल किसानों के गुस्से को शांत करने के लिए की जा रही है। मोदी सरकार के दोनों कार्यकालों का ट्रैक रिकॉर्ड देखें, तो पिछले छह साल में एमएसपी ही नहीं, खरीद का आंकड़ा भी कई गुना तक बढ़ चुका है। पहले गेहूं और धान पर ही एमएसपी मिलती थी, लेकिन मोदी सरकार ने दलहन और तिलहन को भी इसमें शामिल किया है। इसके साथ ही किसानों का मुनाफा बढ़ाने और खेती को आसान बनाने के लिए पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, सॉयल हेल्थ कार्ड, नीम कोटिंग यूरिया जैसी तमाम योजनाएं शुरू की गई हैं। गोदामों और कोल्ड स्टोरेज की चेन को भी गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का फंड बनाया गया है। किसान हित में उठाए गए ऐसे कई कदमों का जिक्र कृषि मंत्री नरेन्द्र तोमर की किसानों को लिखी गई चिट्ठी में भी है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार का हिस्सा होने की वजह से सरकार के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। जैसे एमएसपी की वजह से मक्का, सोयाबीन जैसी कुछ फसल में स्थानीय खरीद की तुलना में आयात सस्ता पड़ता है। इससे पॉल्ट्री उद्योग और तेल मिलों का संचालन घाटे का सौदा बनता जा रहा है। सरकार की सोच है कि किसानों की आमदनी केवल एमएसपी के ही भरोसे क्यों रहे? क्यों नहीं भविष्य की जरूरतों के हिसाब से इसके लिए कुछ नये विकल्प भी आजमाए जाएं? जैसे अमेरिका में होता

> "कुल मिलाकर मकसद किसानों के जीवन को समृद्ध बनाने का होना चाहिए, जिसकी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इशारा भी करते रहे हैं। प्रधानमंत्री की इस सोच पर कौन ऐतराज करेगा कि भारत का किसान अब और पिछड़ेपन में नहीं रह सकता। सवाल इस सोच को अमल में लाने का है। सरकार दावा कर रही है कि नये कृषि कानून इस दिशा में अब तक उठाए गए कदमों का ही विस्तार हैं, लेकिन किसान इस दावे पर ऐतबार नहीं कर पा रहे हैं"

है, जहां सरकार वैल्यू एडिशन पर टैक्स लगाकर उसे सब्सिडी की शक्ल में वापस कृषि उद्योग को ही दे देती है।

दूसरी तरफ किसानों का नजरिया है, जिसकी बुनियाद में सालों-साल खेतों में बहाए गए खून-पसीने का जमीनी अनुभव है और जिसे महज 'सियासी छलावा' बताकर खारिज नहीं किया जा सकता। बेशक सरकार एमएसपी पर लुभावने आंकड़े पेश कर रही हो, लेकिन इसके भविष्य को लेकर किसानों का आक्रोश कम होने के बजाय बढ़ता जा रहा है। खासकर एमएसपी पर सरकार के लिखित आश्वासन वाले प्रस्ताव ने किसानों को और सशंकित कर दिया है। किसानों की चिंता इस बात को लेकर है कि अगर सरकार लिखित आश्वासन दे सकती है, तो उसे कानून में शामिल करने में क्यों आनाकानी कर रही है? जिस तरह सरकार नये कानूनों के समर्थन में विपक्ष के घोषणापत्रों को ढाल बना रही है, उसी तरह किसान साल 2011 में एमएसपी को कानून बनाने की बीजेपी की मांग और आढ़तियों को किसानों का एटीएम बताने वाले दावे को आगे कर रहे हैं। किसानों की दलील है कि फसल के दाम केवल मांग-आपूर्ति के आसरे नहीं रहना चाहिए। महंगाई से आम आदमी को राहत देने के लिए सरकार कई कदम उठाती है, लेकिन उसका बोझ देश का किसान क्यों उठाए? आखिर सब्सिडी की व्यवस्था ऐसे हालात से निपटने के लिए ही तो शुरू की गई है।

नये कानूनों से देश में कहीं भी फसल बेचने की आजादी के सरकारी दावे पर भी किसानों का अपना तर्क है। किसानों का कहना है सरकार केवल छह फीसद अनाज खरीदती है, बाकी 94 फीसद उपज आज भी बाजार में ही बिकने आती है। इसलिए अगर सरकार का मकसद किसानों का फायदा करना ही है, तो वो एमएसपी को कानून बना दे, ताकि अगर व्यापारी उससे कम पर खरीदे तो उसे सजा का डर रहे। फिर किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए न कहीं दूर जाने पड़ेगा, न मंडियों में आढ़तियों के भरोसे रहना पड़ेगा। किसानों को आशंका है कि नये कानून से जो व्यवस्था अमल में आएगी वो किसानों के नहीं, बल्कि एग्री बिजनेस के फायदे के लिए लाई जा रही है। किसानों की आय बढ़ाने के अमेरिकी मॉडल का समर्थन करने वाले सरकारी पक्ष की काट के लिए किसान भी उसी अमेरिकी मॉडल को आगे कर रहे हैं, जहां एग्री बिजनेस ने खेती पर कब्जा कर लिया है और पीढ़ियों से खेती कर रहे परिवार एक फीसद से कम रह गए हैं। भारत में साठ फीसद फैमिली किसान हैं, जिन्हें यह डर सता रहा है कि अगर अमेरिका जैसे हालात यहां बने तो उसका असर बड़ा दूरगामी हो सकता है, लेकिन हमारे देश की किसानी के लिए किसी दूसरे देश का अनुभव मिसाल बने, इसके लिए न सरकारी तर्क व्यावहारिक दिखता है, न ही किसानों का डर वाजिब लगता है। क्यों नहीं इस मामले में हम स्वदेशी तजुर्बे से समस्या का निदान ढूंढते हैं। केरल मॉडल की कामयाबी क्या किसी मिसाल से कम है? मौजूदा गतिरोध में भी हमारे राज्य निर्णायक भूमिका निभा कर केन्द्र का बोझ हल्का कर सकते हैं। कृषि राज्य और केंद्र सरकार दोनों का विषय होता है, इसलिए अगर राज्य अपने किसानों को सुविधा देंगे, तो उसे बाहर भटकने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। अगर राज्य बिचौलियों को खत्म कर देंगे, तो मंडियों में ही किसानों को कारोबार की आजादी मिल सकती है।

कुल मिलाकर मकसद किसानों के जीवन को समृद्ध बनाने का होना चाहिए, जिसकी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इशारा भी करते रहे हैं। प्रधानमंत्री की इस सोच पर कौन ऐतराज करेगा कि भारत का किसान अब और पिछड़ेपन में नहीं रह सकता। सवाल इस सोच को अमल में लाने का है। सरकार दावा कर रही है कि नये कृषि कानून इस दिशा में अब तक उठाए गए कदमों का ही विस्तार हैं, लेकिन किसान इस दावे पर ऐतबार नहीं कर पा रहे हैं। साफ तौर पर फर्क नजरिए का है, जो अलग-अलग खेमों में खड़े होकर नहीं, बल्कि साथ बैठकर बात करने से ही दूर होगा।

वैश्विकी

पाकिस्तान में मंथन

डॉ. दिलीप चौबे

बांग्लादेश की आजादी की स्वर्णजयंती और राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर्हमान का जन्म शताब्दी वर्ष बांग्लादेश और भारत के लिए एक साझा जश्न का अवसर है।

कोरोना महामारी के बावजूद दोनों देश इस अवसर को भव्यता और गौरवपूर्ण इतिहास की याद के रूप में मना रहे हैं। बांग्लादेश की आजादी में निर्णायक भूमिका निभाने वाला भारत इसे दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को और गहराई एवं ऊंचाई देने के लिए प्रयासरत है। भारत और बांग्लादेश जहां 16 दिसम्बर को आजादी के ऐतिहासिक पल को हषरेल्लास और गर्व के साथ मना रहे थे वहीं पाकिस्तान में राजनीतिक नेता, बुद्धिजीवी और मीडिया शर्म और हताशा के साथ आधी सदी पहले हुए घटनाक्रम को लेकर आत्मलोचन कर रहे हैं। देश के एक बड़े तबके में आजकल यह आशंका है कि बलूचिस्तान या मुल्क के किसी अन्य सूबे में बांग्लादेश की पुनरावृत्ति हो सकती है। दुनिया के इतिहास में बांग्लादेश एक अकेला उदाहरण है जिसमें एक क्षेत्रीय शक्ति (भारत) ने एक नये देश के जन्म में 'मिडवाइफ' की भूमिका निभाई। भारत अपने पड़ोस के पाकिस्तानी सूबों में क्या ऐसा ही घटनाक्रम दोहरा सकता है, इसे लेकर इस्लामाबाद में बेचैनी है। वहां इस बात का लेखा-जोखा भी लिया जा रहा है कि ढाका में लेफ्टिनेंट जनरल ए.ए.के. नियाजी के नेतृत्व में 90 हजार पाकिस्तानी सैनिकों के शर्मनाक आत्मसर्मपण का कसूरवार कौन था- राजनीतिक नेतृत्व या फौज के जनरल।

लंदन में निर्वासन का जीवन बिता रहे पाकिस्तान के सबसे प्रमुख राजनीतिक नेता नवाज शरीफ ने हजारों मील दूर रहते हुए भी, देश में जिस अभियान की शुरुआत की है उसमें पाकिस्तान के वजूद को लेकर बहुत से सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी सरकार के मंत्री नवाज शरीफ को गद्दार घोषित कर रहे हैं। सरकार की मुहिम पर शरीफ और उनकी पुत्री मरियम नवाज को चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित कर दिया गया है, जबकि पंजाब सूबे के प्रमुख नेता शाहबाज शरीफ जेल में हैं। सरकार के चौतरफा हमले से विचलित हुए बिना नवाज शरीफ ने इमरान सरकार के विरुद्ध जो मुहिम शुरू की है उसमें उनका निशाना सत्ता प्रतिष्ठान (सेना और आईएसआई) है। उनका कहना है कि इमरान खान तो एक कठपुतली है। देश में लोकतांत्रिक सरकारों को सत्ता पलट के जरिये हटाने का दुष्चक्र फौज ही रखती है। शरीफ के अनुसार 1947 में अलग मुल्क के निर्माण के बाद से ही फौजी जनरलों ने लोकतंत्र पर लगातार आघात किया और इसे पनपने नहीं दिया। उन्होंने यह भी कहा कि जनता में लोकप्रिय हर नेता को सत्ता प्रतिष्ठान ने गद्दार कहा।

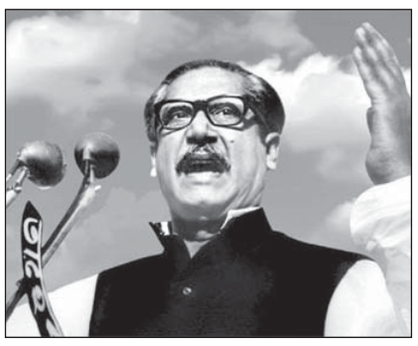

शरीफ ने ऐसे लोगों की लंबी फेहरिस्त सामने रखी, जिनमें कायदे आजम मोहम्मद अली जिन्ना की बहन मादर-ए-मिल्लत फातिमा जिन्ना, खान अब्बुल गफ्फार खां, उसके पुत्र वली खान, बलूच नेता अकबर बुग्ती आदि शामिल थे। शरीफ ने बांग्लादेश के जन्म के बारे में कहा कि शेख मुजीबुर्हमान को गद्दार कहा गया जिसके नतीजे में मुल्क के दो टुकड़े हो गए। आवामी जम्हूरी तहरीक (पीडीएम) की गुजरांवाला रैली में शरीफ ने अवाम से पूछा था कि गद्दार सियासी नेता हैं या फौजी जनरल। पाकिस्तान में विरोधी दलों की इमरान खान विरोधी मुहिम में बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा के नेता प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। ये नेता पंजाब केंद्रित फौज, राजनीति और नौकरशाही का तीव्र विरोध करते हैं। इन नेताओं को मुख्यधारा की मीडिया और राजनीतिक हलकों में सुनने वाला कोई नहीं है। पीडीएम ने इन नेताओं को जो मंच मुहैया कराया है उसके जरिये वे मुल्क के हर हिस्से तक अपना गिला-शिकवा जाहिर कर रहे हैं। पीडीएम की मुहिम का असर यह हुआ कि मुल्क ने सत्ता प्रतिष्ठान विरोधी फिजा बन गई है।

बांग्लादेश का घटनाक्रम पाकिस्तान के अन्य सूबों में दोहराया जाएगा या नहीं यह इस बात पर निर्भर है कि मुल्क के अन्य सूबों के साथ अन्याय खत्म होता है या नहीं। पूर्वी पाकिस्तान के लोगों की ऐसी शिकायत थी कि पश्चिमी पाकिस्तान में बैठे हुक्मरान उनकी बंगाली अस्मिता को नकारते हैं तथा उनके साथ उपनिवेश जैसा बर्ताव किया जा रहा है। हाल के दशकों में बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और सिंध से भी ऐसी आवाजें उठ रहीं हैं।

स्मरण

शास्त्रीयता से बचते हुए

आलोक पराड़कर

प्रख्यात गायिका गिरिजा देवी पर पिछले दिनों कुछ काम करने का अवसर मिला।

यूं तो बनारस में गिरिजा देवी का खूब साथ रहा लेकिन जब उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी ने अपनी पत्रिका 'छायानट' का विशेषांक उन पर केंद्रित किया और उसके संपादन का दायित्व मुझे सौंपा तो यह उनकी मृत्यु के बाद उनके जीवन और संगीत को समझने की पुनश्चर्या थी। उनके समकालीन ढेरों कलाकारों, शिष्य-शिष्याओं और संगीत लेखकों के आलेखों से गुजरते हुए मुझे एक बात बहुत महत्वपूर्ण लगी।

यह गिरिजा देवी के संगीत की वह विशिष्टता थी, जिसका बर्ताव कम ही हो पाता है लेकिन जो अपने बनावट में बहुत जरूरी है। हालांकि ये बात बार-बार कही जाती है और इसमें सचाई भी है कि गिरिजा देवी को भले ही ठुमरी गायिका के रूप में एक व्यापक पहचान मिली, उन्हें 'ठुमरी क्वीन' तक कहा गया, लेकिन वे खयाल की भी गायिका थीं और श्रेष्ठ गायिका थीं। ठुमरी गायिका के तौर पर उन्हें रेखांकित किया जाना उनकी प्रतिभा को सीमित करके ही देखना है। यह बनारस की संपूर्ण गायिकी के प्रति उपेक्षित नजरिया भी है कि वहां तो ठुमरी-दादरा जैसी उपशास्त्रीय चीजें ही गायी जाती हैं। गिरिजा देवी ने अपने कार्यक्रमों के जरिए इसका प्रतिवाद भी किया। जिन्होंने भी उन्हें सुना है वे अच्छी तरह जानते हैं कि वे अपने प्रायः हर कार्यक्रम में खयाल जरूर गाती थीं, बल्कि उन्होंने ठुमरी महोत्सव जैसे समारोहों में भी अपने कार्यक्रम का आरंभ खयाल से किया है। उनकी ठुमरी के प्रशंसकों की बड़ी संख्या है, लेकिन ढेर सारे संगीतप्रेमी ऐसे भी हैं जो उनके खयाल के मुरीद हैं। बनारस के ही एक अन्य लोकप्रिय गायक राजन-साजन मिश्र कहते हैं, 'वह अपने हर कार्यक्रम की शुरुआत विलंबित खयाल से करती थीं, उसके बाद द्रुत खयाल गाती थीं और तब ठुमरी, दादरा, कजरी, चैती आदि जैसी चीजें गाना शुरू करती थीं, लेकिन अपने पूर्वाग्रहों से ग्रस्त इस समाज ने उनकी प्रतिभा के इस पक्ष की ओर जानबूझकर ध्यान नहीं दिया। इस समाज ने ऐसी ही नाइंसाफी उस्ताद बड़े गुलाम अली खान साहब के साथ भी की थी। इतने बड़े और अद्वितीय गायक को भी सिर्फ ठुमरी गायक घोषित कर दिया। हम लोगों ने दरबारी कान्हड़ा, अड़ाना और मालकौस आदि जैसे रागों में उनका अत्यन्त प्रभावशाली खयाल सुना है और कई बार सुना है, लेकिन गिरिजा देवी, जिन्हें 'अप्पाजी' भी कहा जाता है, कि जिस विशिष्टता की मैं यहां चर्चा करना चाहता हूं वह थोड़ी भिन्न है।

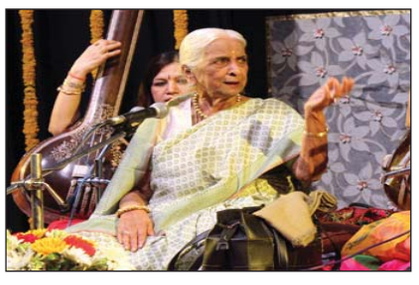

शास्त्रीय संगीत की कुशल गायिका और उपशास्त्रीय संगीत में पारंगत होने के समानान्तर उन्होंने लोकसंगीत की रचनाएं भी अपने गायन में शामिल कीं। इनमें कजरी, चैती, होरी, झूला जैसी रचनाओं की चर्चा की जा सकती है। उनके गाए इन रचनाओं की प्रसिद्धि भी खूब थी और अक्सर उनके कार्यक्रमों में उनसे इनकी फरमाइश भी की जाती थी। उनकी प्रमुख शिष्या, लोकगायिका मालिनी अवस्थी तो विन्ध्याचल (मिर्जापुर) की एक घटना का अक्सर जिक्र करती हैं, जिसमें श्रोताओं ने उनसे कजरी गाने की मांग की थी। कजरी प्रायः सावन-भादो में गाई जाती है और यह कजरी का अवसर नहीं था। पहले तो गिरिजा देवी ने यह कहते हुए मना किया कि अरे, ये तो होरी, चैता गाने का समय है, लेकिन जब मांग जोर पकड़ने लगी तो उन्होंने हंसते हुए कहा कि मैं कजरी तो सुना दूंगी लेकिन अगर बारिश होने लगी तो आप लोग क्या करोगे? बताते हैं कि होली का समय था और आयोजकों एवं श्रोताओं को ये पूरा विश्वास था कि इस समय साफ मौसम में बारिश नहीं हो सकती तो उन्होंने कजरी की जिद पकड़ ली। मालिनी के अनुसार, अप्पा जी ने कजरी-घेरि आई है कारी बदरिया, राधे बिन लागे न मोरा जिया.सुनाना शुरू किया तो बिना मौसम वहां घटाएं घिर आई, बारिश होने लगी।

इस घटना को महज संयोग या संगीत की तासीर मानने के अपने अनुभव और विश्वास हो सकते हैं लेकिन इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि गिरिजा देवी के लोकसंगीत का भी अपना एक गहरा असर था। शास्त्रीय संगीत में यह असर सुरों की शुद्धता, रागों के चलन, तानों की तैयारी, गमक के अभ्यास या तमाम दूसरे व्याकरण पर निर्भर करता है, कंठ का महत्व तो हालांकि होता ही है लेकिन सवाल यह है कि लोकसंगीत में यह असर कैसे आता है? मेरा मानना है कि लोकसंगीत में यह असर आता है उसकी सहजता और निश्छलता से, उसके उस खुरदुरेपन से जो एक आंचलिकता का आभास देता है, क्षेत्रीय बोली में रचे-पगे उसके साहित्य से और शास्त्र से उसे बचाए रखने से। ऐसा कर पाना उस कलाकार के लिए काफी मुश्किल है जो शास्त्रीय संगीत में सिद्धहस्त हो, तानों और लयकारियों में खेलता हो, खयाल से बाहर जाता भी हो तो उपशास्त्रीय रचनाओं में। ऐसे कलाकारों के लिए लोकसंगीत को शास्त्रीयता से बचाना कोई आसान नहीं। कहना गलत न होगा कि लोक से शास्त्रीय संगीत तो समृद्ध होता रहा है, लेकिन लोकसंगीत में अगर शास्त्रीय संगीत के असर का प्रयास होगा तो उसकी कोमलता नष्ट हो जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओएनजीसी ने देश का आठवां हाइड्रोकार्बन बेसिन खोला

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने रविवार को बंगाल बेसिन में एक कुएं से तेल का उत्पादन शुरू कर भारत का आठवां हाइड्रोकार्बन उत्पादक बेसिन चालू किया। कंपनी ने एक बयान में कहा कि तेल उत्पादन 24 परगना जिले के अशोकनगर-1 कुएं से शुरू हुआ। बयान के अनुसार, ''तेल उत्पादक के रूप में अशोकनगर-1 कुएं को पूरा किया गया है। भारत सरकार ने परियोजना के जल्दी अमल में लाने को लेकर दिशानिर्देश जारी किया था।'' इसके साथ ओएनजीसी ने आठ हाइड्रोकार्बन उत्पादक बेसिन में से सात में खोज और उत्पादन का काम शुरू कर दिया है। यह स्थापित तेल एवं गैस भंडार का 83 प्रतिशत है। ओएनजीसी देश की सबसे बड़ी तेल और गैस उत्पादक कंपनी है। इसका देश के हाइड्रोकार्बन उत्पादन में 72 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बंगाल बेसिन करीब 1.22 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। इसमें से दो तिहाई बंगाल की खाड़ी के जल क्षेत्र में है। बयान के अनुसार ओएनजीसी अबतक बंगाल बेसिन में हाइड्रोकार्बन खोज एवं उत्खनन कार्यों में 3,361 करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है। अगले दो साल में उत्खनन गतिविधियों में 425 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। पेट्रोलियम मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने पश्चिम बंगाल के अशोक नगर में अयोजित कार्यक्रम में नया बेसिन राष्ट्र को समर्पित किया। इस मौके पर प्रधान ने ओएनजीसी को बधाई दी और कहा कि यह खोज भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सितंबर-अक्तूबर में भारतीय बाजार में हुई स्मार्टफोन्स की जमकर बिक्री, खरीदी ने तोड़ा रिकॉर्ड

बिजनेस डेस्क: कोरोना महामारी ने एक तरफ जहां देश के कुछ क्षेत्रों को बेपटरी कर दिया है, वहीं कुछ क्षेत्रों में कारोबार के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। इनमें स्मार्टफोन, लैपटॉप, वर्क फ्रॉम होम गैजेट की बिक्री आदि शामिल हैं। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि भारतीयों ने स्मार्टफोन खरीदने के मामले में एक नया रिकॉर्ड बना दिया है। सितंबर-अक्तूबर में देश में 4 करोड़ 40 लाख स्मार्टफोन खरीदे गए हैं। आईडीसी की रिपोर्ट के अनुसार 2020 की तीसरी तिमाही से ही भारत में स्मार्टफोन की मांग में उम्मीद से ज्यादा इजाफा देखने को मिला है। दरअसल कोरोना महामारी के चलते ऑन लाइन एजुकेशन वर्क फ्रॉम होम के चलते इन गैजेट की मांग में उछाल आया है। अक्तूबर 2020 में भारतीयों ने दो करोड़, 10 लाख स्मार्टफोन खरीदे थे, जबकि इससे पहले सितंबर में दो करोड़ 30 लाख स्मार्टफोन की बिक्री हुई है।

कोरोना के कारण बढ़ी डिमांड

बताया जा रहा है कि ऑनलाइन फेस्टिवल और ऑनलाइन शॉपिंग में सुविधा होने के कारण भी बिक्री में इजाफा हुआ। दरअसल कोरोना महामारी के चलते ऑनलाइन एजुकेशन व वर्क फ्रॉम होम के चलते इन गैजेट की मांग में उछाल आया है।

स्मार्टफोन की खरीदी ने तोड़ा रिकॉर्ड

आईडीसी की रिपोर्ट के अनुसार अक्तूबर महीने में स्मार्टफोन की कुल खरीदी में दिल्ली, मुंबई, बंगलूरू, चेन्नई और कोलकाता महानगरों की भागीदारी सबसे ज्यादा 25 प्रतिशत रही। इसके बाद जयपुर, गुड़गांव, चंडीगढ़, लखनऊ, भोपाल और कोयंबटूर जैसे शहरों में सबसे अधिक स्मार्टफोन की बिक्री हुई है।

लद्दाख-जम्मू-कश्मीर में दावोस से भी रमणीक हिलस्टेशन होगा विकसित: गडकरी

नयी दिल्ली.

भारत में स्विट्जरलैंड के मशहूर दावोस से कहीं अधिक सुंदर और सुरम्य हिल स्टेशन के विकास की योजना है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि लद्दाख में जोजीला सुरंग और जम्मू -कश्मीर के जेड-मोड़ के बीच 18 किलोमीटर के इलाके में इसे बसाया जाएगा। लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपालों के साथ इस विषय में अगले सप्ताह एक बैठक आयोजित की जाएगी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्रालय के प्रभारी काबीना मंत्री गडकरी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''हम एक पर्वतीय नगर बसाना चाहते हैं जो दावोस (स्विट्जरलैंड) से अधिक रमणीय होगा। इसे ऊंचाई वाले जोजीला सुरंग ओर जेड-मोड़ के बीच 18 किमोमीटर के इलाके में बसाने की योजना है...यह विश्वस्तर की परियोजना होगी। इससे लद्दाख और जम्मू-कश्मीर , दोनों जगहों की गति बदल जाएगी। इससे रोजगार के भारी अवसर उत्पन्न होंगे। ' जोजीला दर्रा सुद्र तल से 11,578 मीटर की ऊंचाई पर श्रीनगर-कर्गिल-लेह मार्ग पर पड़ता है। गडकारी ने कहा कि इस परियोजना के लिए लद्दाख और जम्मू-कशमीर के उप-राज्यपालों की बैठक बुलाई गयी है। इसके लिए जमीन शेयर पूंजी के रूप में लेने का विचार है। परियोजना छह साल में पूरा करने का लक्ष्य है। इसका मानचित्र स्विट्जरलैंड के किसी वास्तुकार से बनवाया जाएगा। जोजीला सुरंग का निर्माण हो रहा है । इसके बन जाने पर यह एशिया में सबसे बड़ी सुरंग होगी। गडकरी ने अक्टूबर में इस सुरंग के कार्य का उद्घाटन किया था। इसके बन जाने से श्रीनगर और लेह के बीच रास्ता साल भर सुगम हो जाएगा और समय की भी बचत होगी। सुरंग पर लगात 11,000 करोड़ रुपये आने का अनुमान है । गडकरी को लगता है कि उनका मंत्रालय लगत में कमी कर के खजाने की 5000 करोड़ रुपये की बचत कर सकता है। प्रस्तावित हिल स्टेशन के चालू हो जाने पर इस सुरंग से आवाजाही और पथ-शुल्क की वसूली बढ़ेगी।

भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों ने 18 दिनों में निवेश किए 54,980 करोड़ रुपए

नई दिल्ली: विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय बाजारों में दिसंबर में अब तक 54,980 करोड़ रुपए लगाए हैं। वैश्विक बाजारों में अतिरिक्त नकदी और विभिन्न केंद्रीय बैंकों के एक और प्रोत्साहन पैकेज की उम्मीद के बीच एफपीआई निवेश बना हुआ है। डिपोजिटरी आंकड़े के अनुसार एफपीआई ने एक दिसंबर से 18 दिसंबर के दौरान शेयरों में शुद्ध रूप से 48,858 करोड़ रुपए जबकि बांड में 6,112 करोड़ रुपए लगाए। इससे शुद्ध रूप से कुल निवेश आलोच्य अवधि में 54,980 करोड़ रुपए रहा। नवंबर महीने में शुद्ध रूप से एफपीआई निवेश 62,951 करोड़ रुपए था। मॉर्निंग स्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''वैश्विक बाजारों में अतिरिक्त नकदी और कम ब्याज दर के कारण भारत जैसे उभरते बाजारों में विदेशी पूंजी प्रवाह हो रहा है।'' उन्होंने कहा कि इसके अलावा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए एक और प्रोत्साहन पैकेज की उम्मीद से भी निवेशक जोखिम ले रहे हैं। इसके अलावा यह उम्मीद की जा रही है कि कोविड-19 टीके के आने से उभरते बाजारों में वृद्धि को गति मिलेगी।

पांच राज्यों को 16,728 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज लेने की वित्त मंत्रालय से मंजूरी

नयी दिल्ली.

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु और तेलंगाना सहित पांच राज्यों को बाजार से 16,728 करोड़ रुपये के अतिरिक्त कर्ज जुटाने की छूट दी गयी है। इन राज्यों को यह छूट अपने यहां कारोबार सुगमता की शर्तें पूरी करने पर मिली है। इन राज्यों में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और मध्यप्रदेश भी शामिल हैं। सरकार ने मई में राज्यों को नीतिगत सुधारों के क्रियान्वयन की शर्त पर अतिरक्त कर्ज जुटाने की छूट दी थी। इसमें कारोबार सुगमता की शर्त भी है। कार्य सुगमता के मामले में 'जिला स्तरीय उद्यम सुधार कार्ययोजना' का प्रथम आकलन पूरा करने की शर्त है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि इन पांच राज्यों ने कारोबार सुगमता की शर्त को पूरा कर लिया है। इसके आधार पर उन्हें कुल मिला कर 16,728 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज जुटाने की छूट दी गयी है। गौरतलब है कि राजकोषीय दायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम के तहत राज्यों को अपना कर्ज अपने सकल घरेलू उत्पाद (एसजीडीपी) के तीन प्रतिशत तक सीमित रखना पड़ता है। कोविड-19 के संकट को देखते हुए मई में केंद्र सरकार ने राज्यों की कर्ज की सीमा विभिन्न सुधारवादी शर्तों के साथ कुल मिला कर 2 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की। इन शर्तों में एक-देश-एक-राशनकार्ड , कारोबार सुगमता, नगर निकाय/ सार्वजनिक सेवाओं में सुधार और बिजली क्षेत्र में सुधार शामिल हैं। उन्हें 15 फरवरी 2020 तक ये सुधार लागू करने होंगे तभी उन्हें अतिरिक्त कर्ज लेने की छूट मिलेगी। प्रत्येक सुधार पर एसजीडीपी के 0.25 प्रतिशत अतिरिक्त कर्ज की छूट है। इस तरह राज्य कुल मिला कर 2.14 लाख करोड़ अतिरिक्त वित्तीय संसाधन जुटा सकते हैं।

नीरव मोदी के भाई पर केस दर्ज, अमेरिकी हीरा कंपनी को लगाया करोड़ों का चूना

बिजनेस डेस्क:

पंजाब नेशनल बैंक (PNB) घोटाले के आरोपी और भगोड़े नीरव मोदी का सौतेला भाई नेहल मोदी अमेरिका में धोखाधड़ी के आरोपों में फंस गया है। नेहल मोदी पर आरोप है कि उसने अमेरिका की एक बड़ी हीरा कंपनी से 20 करोड़ रुपए के हीरे फर्जीवाड़ा कर के ले लिए। 41 वर्षीय नेहल पर न्यूयॉर्क की सुप्रीम कोर्ट में फर्स्ट डिग्री में बड़ी चोरी का आरोप लगा है। मोदी के खिलाफ केस लड़ रहे मैनहैटन डिस्ट्रिक्ट के अटॉर्नी वेंश जूनियर ने कहा, %हीरे हमेशा के लिए होते हैं लेकिन यह ठगी की योजना हमेशा नहीं रहेगी। अब नेहल मोदी को न्यूयॉर्क के सुप्रीम कोर्ट में मुकदमे का सामना करना पड़ेगा।%

2015 से चल रहा है मामला

कोर्ट में जमा किए दस्तावेजों, बयानों के मुताबिक, मार्च 2015 से अगस्त 2015 के बीच नेहल मोदी ने गलत तरीके से एलएलडी डायमंड्स यूएसए से 2.6 मिलियन डॉलर मूल्य के हीरे लिए। अभियोजन ने कहा कि मार्च 2015 में मोदी ने पहली बार कंपनी से लगभग 8,00,000 डॉलर मूल्य के हीरे देने के लिए कहा और कहा कि वह उन्हें कॉस्टको होलसेल कॉर्पोरेशन नाम की कंपनी को संभावित बिक्री के लिए दिखाएगा। कॉस्टको एक चेन है जो अपने सदस्यों के रूप में जुड़ने वाले ग्राहकों को कम कीमत पर हीरे बेचती है।

LLD ने उधार पर दिए हीरे

एलएलडी की ओर से हीरे मिलने के बाद नेहल ने कंपनी को यह गलत जानकारी दी कि कॉस्टको इन हीरों को खरीदने के लिए तैयार हो गया है। इसके बाद एलएलडी ने उसे ये हीरे उधार पर दिए और 90 दिनों के भीतर भुगतान करने को कहा। डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी ऑफिस ने बताया कि इसके बाद नेहल ने हीरे मॉडल कोलैट्रल लोन्स के पास गिरवी रख कर छोटी अवधि का लोन लिया।

LLD ने मैनहैटन प्रॉसीक्यूटर ऑफिस में की शिकायत

अप्रैल से मई 2015 के बीच नेहल ने कोस्टको को बेचने के दावे के साथ ही एलएलडी से 3 बार में 10 लाख डॉलर से ज्यादा की कीमते के हीरे लिए। इस दौरान नेहल ने एलएलडी को कुछ भुगतान किया लेकिन वह हीरों की रकम से काफी कम था। जब तक एलएलडी को इस धोखाधड़ी का पता चलता, तब तक नेहल सभी हीरों को बेचकर उसका पैसा खर्च कर चुका था। बाद में एलएलडी ने मैनहैटन प्रॉसीक्यूटर ऑफिस में इसकी शिकायत दर्ज करवाई। बता दें कि नेहल का भाई नीरव मोदी पंजाब नेशनल बैंक के 11 हजार करोड़ रुपए के घोटाले के आरोप में वांछित है। वह इस घोटाले के बाद से ही फरार है और लंदन में रह रहा है।

कोविड-19 के कारण 2020 में प्रभावित रहा वाहन क्षेत्र, 2021 में बेहतर रहने की उम्मीद

बिजनेस डेस्क:

कोविड-19 संकट से उबरने और आगे बढ़ने में कामयाब होने के बाद भारतीय वाहन क्षेत्र सतर्कता बरतते हुए 2021 को लेकर आश्वानित है। उसे उम्मीद है कि कोरोना वायरस महामारी के बाद की दुनिया बेहतर होगी और वाहन उद्योग फर्राटा भरेगा लेकिन काफी कुछ इस बात पर निर्भर है कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि कैसी रहती है। वाहन उद्योग कोविड-19 महामारी के पहले से नरमी से जूझ रहा था। मार्च के अंत में महामारी की रोकथाम के लिए जब देशव्यापी 'लॉकडाउन' लगाया गया, उस समय भारतीय वाहन उद्योग की मजबूती का परीक्षण हुआ। भारत में वाहन उद्योग की स्थिति का अंदाजा यात्री वाहनों की बिक्री से लगाया जाता है। महामारी के कारण इस साल अप्रैल-जून के दौरान इसमें 78.43 प्रतिशत की गिरावट आई। लगातार नौवीं तिमाही में वाहन बिक्री पर असर पड़ा और 20 साल में क्षेत्र के लिए सबसे लंबे समय तक नरमी की स्थिति रही।

प्रतिदिन हुआ 2,300 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान

एक अनुमान के अनुसार 'लॉकडाउन' के कारण वाहन उद्योग को कारोबार में प्रतिदिन 2,300 करोड़ रुपए से अधिक के कारोबार का नुकसान हुआ। इस अभूतपूर्व संकट के कारण उत्पन्न चुनौतियों से से पार पाने के लिए उद्योग ने जहां एक तरफ ग्राहकों को सेवा देने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाया, वहीं 'लॉकडाउन' में ढील के बाद कोविड-19 मानक परिचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन करते हुए काराखानों में कामकाज को गति दी। साथ ही लागत कम करने और मुफ्त नकद प्रवाह पर गौर किया।

धीरे-धीरे कुछ तेजी आई

सोसाइटी ऑफ इंडिया ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (सियाम) के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि संकट के समय व्यक्तिगत वाहनों की बढ़ती मांग और आर्थिक गतिविधियों को धीरे-धीरे खोले जाने से क्षेत्र में कुछ तेजी आई तथा है उद्योग कुछ खंडों में पुनरूद्धार के संकेत देख रहा है। उन्होंने कहा, ''हालांकि त्योहारों के दौरान कुछ खंडों में तेजी आई लेकिन कुल मिलाकर आने वाले समय में सामान्य आर्थिक परिदृश्य वाहन उद्योग के प्रदर्शन को निर्धारित करेगा।''

भविष्य का आकलन करना कठिन

बाजार में अनिश्चितताओं को देखते हुए मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर सी भार्गव ने कहा कि भविष्य का आकलन करना कठिन है। उन्होंने कहा, ''लेकिन निश्चित रूप से अगला साल उतना बुरा नहीं होगा जितना कि 2020 रहा। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कामाज पूरी रह ठप रहा। इससे स्थिति पर बड़ा फर्क पड़ा। इसीलिए, मुझे उम्मीद है कि अगला सल इस वर्ष के मुकाबले बेहतर होगा लेकिन यह कितना बेहतर होगा, बिक्री का लक्ष्य क्या होगा। यह देखने की बात होगी। अभी हमने बिक्री का लक्ष्य तय नहीं किया है।''

महामारी ने उद्योग के लिए नई चुनौतियां पैदा की

टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी गुएंटेर बुश्चके ने कहा कि आर्थिक पुनरूद्धार के साथ आने वाला समय 2021 में कंपनी बिक्री और उत्पादन दोनों बेहतर रहने की उम्मीद कर रही है। देश की दूसरी सबसे बड़ी कार बनाने वाली कंपनी हुंदै मोटर इंडिया लि. (एचएमआईएल) को भी उम्मीद है कि अगले साल आर्थिक पुनरूद्धार होगा, जिसका सकारात्मक असर घरेलू वाहन उद्योग पर पड़ेगा।

हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ (मुख्य कार्यपालक अधिकारी) एस एस किम ने कहा, ''कंपनी आने वाले समय को लेकर सतर्क रुख रुखते हुए आशान्वित है। 2021 में कुछ सुधार के संकेत निश्चित रूप से देखने को मिल सकते हैं।' उन्होंने कहा कि महामारी ने उद्योग के लिए नई चुनौतियां पैदा की है। किम ने कहा, ''सबसे बड़ी चुनौती कारोबारी गतिविधियों को बनाए रखना और संगठन के वित्तीय सेहत को सुनिश्चित करना है।'

निजी वाहनों की मांग बढ़ने की उम्मीद

होंडा कार्स इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और निदेशक (विपणन एवं बिक्री) राजेश गोयल ने कहा कि स्वास्थ्य संकट अभी कुछ समय तक बने रहने की आशंका है। ऐसे में निजी वाहनों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। इससे वाहन उद्योग को आने वाले महीनों में वृद्धि की गति बनाए रखने में मदद मिलेगी। दो-पहिया वाहनों के बारे में होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एसएमएसआई) के निदेशक (बिक्री और विपणन) यदविन्दर सिंह गुलेरिया ने कहा कि महामारी के पहले तीन महीने से उद्योग प्रभावित रहा।

रिलायंस, बीपी की केजी-डी6 के नए स्रोत की गैस की सरकारी दर हो सकती 4.06 डॉलर तक

नयी दिल्ली,

रिलायंस और उसके भागीदार बीपी को अपतटीय केजी-डी6 फील्ड में नए स्रोत से से प्राप्त हो रही गैस के लिये सरकार द्वारा निर्धारित 4.06 डॉलर प्रति यूनिट का ही भाव मिलेगा।

हालांकि दोनों को खुले बाजार में इससे ऊंचे भाव के ग्राहक मिल सकते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। रिलायंस-बीपी ने नवंबर 2019 में केजी-डी6 की आर-श्रृंखला फील्ड से शुरूआती गैस की नीलामी की थी। इसके लिये ब्रेंट क्रूड तेल को तुलनाआधार बनाया गया। आर-श्रृंखला के खरीदारों से जुड़े दो सूत्रों ने कहा कि इसके तहत अगर ब्रेंट क्रूड तेल 50 से 51 डॉलर बैरल के मौजूदा स्तर पर रहता है, कीमत 4.2 से 4.4 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट (यूनिट) होगी। हालांकि परिचालकों को कीमत निधारण के मामले में आजादी मिली हुई है, लेकिन वे सरकार द्वारा हर छह महीने पर निर्धारित सीमा से अधिक दर पर गैस नहीं बेच सकते।

छह महीने 31 मार्च, 2021 तक के लिये सीमा 4.06 डॉलर प्रति यूनिट है। ऐसे में रिलायंस-बीपी को चालू वित्त वर्ष की बची हुई अवधि के लिये वही भाव मिलेगा। एस्सार स्टील, अडाणी ग्रुप और सार्वजनिक क्षेत्र की गेल ने नवंबर 2019 में आर-श्रृंखला से उत्पादित शुरूआती 50 लाख घन मीटर प्रतिदिन गैस के लिये 'डेटेड' ब्रेंट के दिनांकित भाव के 8.5 से 8.6 प्रतिशत के बीच की बोली लगायी।

इन कंपनियों ने क्षेत्र से शुरू में 50 लाख टन उत्पादन की योजना में से ज्यादातर हिस्सा खरीद लिया है। इस बारे में रिलायंस और बीपी को ई-मेल भेजकर टिप्पणियां मांगी गयी, लेकिन उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया। नवंबर 2019 में नीलामी में जो भाव सामने आया, वह ब्रेंट कीमत दायरा का निचला स्तर था। साथ ही यह कीमत वही है जो रिलायंस को धीरूभाई-1 और 3 और एमए फील्डों से उत्पादित गैस के लिये शुरूआती पांच साल के लिये मिली थी।

अब इन फील्डों से उत्पाद कुछ महीने पहले रूक गया। रिलायंस को मार्च 2014 से अप्रैल 2019 के दौरान डी1 और डी3 तथा एमए फील्ड से उत्पादित गैस के लिये 4.205 प्रति यूनिट की दर मिली थी।

एसबीआई गोल्ड लोन पर दे रहा खास ऑफर, इन ग्राहकों को मिलेगा फायदा

बिजनेस डेस्क:

देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (SBI) अपने ग्राहकों को गोल्ड लोन दे रहा है। SBI ने चालू कारोबारी साल में उत्तर प्रदेश (Uttar Pradesh) में 550 करोड़ रुपए का गोल्ड लोन देने का लक्ष्य रखा है। इस साल बैंक 300 करोड़ रुपए से ज्यादा का Gold Loan दे चुका है।

SBI के महाप्रबंधक ने दी जानकारी

SBI के मुख्य महाप्रबंधक (लखनऊ सर्किल) अजय कुमार खन्ना ने बताया कि एसबीआई के गोल्ड लोन की ब्याज दर इस पूरे बाजार में सबसे कम 7.5 प्रतिशत है, जिससे SBI की GOLD Loan बाजार में हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि पूरे देश में गोल्ड लोन का बाजार 2 लाख करोड़ रुपए का है। जहां कार और होम लोन में एसबीआई की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है, जबकि गोल्ड लोन में हिस्सेदारी दो प्रतिशत भी नहीं थी। बैंक ने पिछले जुलाई से होम लोन कारोबार पर ध्यान देना शुरू किया।

शुरू किया नया अभियान

खन्ना ने बताया कि SBI ने गांवों और अर्धशहरी क्षेत्रों में लोगों के लिए चलो गांव की ओर अभियान शुरू किया है जिसके तहत सभी बड़े अधिकारियों को अलग अलग गांवों से जोड़ा गया है। ये अधिकारी गांवों में जाकर किसानों, छोटे उद्यमियों की वित्तीय जरूरतों को समझेंगे और उन्हें पूरा करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि लोगों की शिकायतों और सुझावों को लेने के लिए SBI ने चार अलग-अलग फोन नंबर चालू करने की तैयारी की है।

UP में हैं SBI की 1700 शाखाएं

ये अधिकारी गांवों में जाकर किसानों, छोटे उद्यमियों की वित्तीय जरूरतों को समझेंगे और उन्हें पूरा करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि लोगों की शिकायतों और सुझावों को प्राप्त करने के लिए एसबीआई ने चार अलग अलग फोन नंबर चालू करने की तैयारी की है। ये नंबर उत्तर प्रदेश में एसबीआई की सभी 1700 शाखाओं में दो-तीन दिनों में शुरू हो जाएंगे जिनके जरिए लोग अपनी शिकायतों और सुझावों को बैंक में दर्ज करा सकेंगे और शिकायतों को दूर करने में बैंक को मदद मिलेगी।

जनवरी से महंगी हो जाएंगी होंडा की कारें, कंपनी ने दी जानकारी

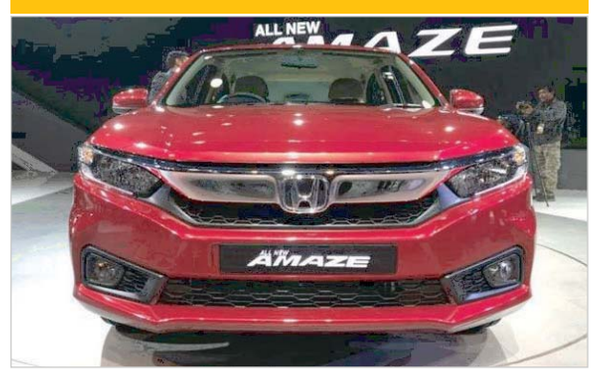

बिजनेस डेस्क:

जापान की वाहन कंपनी होंडा की अगले महीने से वाहनों के दाम बढ़ाने की योजना है। कंपनी के डीलरों को इस बारे में सूचना दे दी गई है। वाहन कंपनी भारत में पूर्ण अनुषंगी होंडा कार्स इंडिया लि. (एचसीआईएल) के जरिए काम कर रही है। कंपनी काम्पैक्ट सेडान अमेज से लेकर महंगी एसयूवी सीआर-वी बेचती है। अमेज की शुरूआती कीमत 6.17 लाख रुपए जबकि सीआरवी की 28.71 लाख (एक्स शोरूम) रुपए है। कंपनी के एक डीलर ने इसकी पुष्टि की है और कहा कि वह जनवरी से वाहनों के दाम बढ़ा रही है। इसका कारण कच्चे माल की लागत और मुद्रा प्रभाव है।

डीलर के अनुसार वाहनों के मॉडल के हिसाब से दाम के बारे में सूचना कंपनी जनवरी की शुरूआत में देगी। इस बारे में संपर्क किए जाने पर कंपनी के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि की लेकिन इसके बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। कई वाहन कंपनियां पहले ही अगले महीने से विभिन्न मॉडल के दाम बढ़ाने की घोषणा की है।

इन कंपनियों के वाहन भी होंगे महंगे

पिछले सप्ताह रेनो इंडिया ने कहा कि वह जनवरी से सभी मॉडल के दाम में 28,000 रुपए तक की वृद्धि करेगी। इसके अलावा, मारुति सुजुकी, फोर्ड इंडिया और महिंद्रा एंड महिंद्रा पहले ही कह चुकी है कि वे कच्चे माल और अन्य जिंसों की बढ़ी हुई लागत को कम करने के लिए अपने वाहनों के दाम जनवरी से बढ़ाएंगी। दो पहिया वाहन कंपनी हीरो मोटो कार्प ने भी कच्चे माल की बढ़ी हुई लागत की भरपाई के लिए अपने वाहनों के दाम में एक जनवरी, 2021 से 1,500 रुपए तक की वृद्धि की घोषणा की है।

बिजली क्षेत्र को कोल इंडिया से कोयला अप्रैल-नवंबर के बीच 5 प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली,

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लि. (सीआईएल) द्वारा बिजली क्षेत्र को कोयला आपूर्ति चालू वित्त वर्ष 2020-21 में अप्रैल-नवंबर के दौरान 5.3 प्रतिशत घटकर 27.746 करोड़ टन रही। सार्वजनिक क्षेत्र की केयला कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 29.288 करोड़ टन ईंधन की आपूर्ति की थी। नवंबर महीने में कोल इंडिया द्वारा ईंधन की आपूर्ति 3.938 करोड़ टन पर स्थिर रही। पिछले साल के इसी महीने में कोयले की आपूर्ति 3.912 करोड़ टन थी। आंकड़े के अनुसार सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि. (एससीसीएल) की बिजली क्षेत्र को कोयला आपूर्ति चालू वित्त वर्ष के आठ महीनों में 35 प्रतिशत घटकर 2.237 करोड़ टन रही जो एक साल पहले इसी अवधि में 3.444 करोड़ टन थी। इस साल नवंबर महीने में कंपनी ने 39 लाख टन कोयले की आपूर्ति की जो पिछले साल इसी माह के 46.2 लाख टन के मुकाबले कम है। सरकार के कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये 25 मार्च से लगाये गये 'लॉकडाउन' के कारण आर्थिक गतिविधियां लगभग ठप होने से बिजली खपत पर असर पड़ा। उससे कोयला मांग भी प्रभावित हुई। कोल इंडिया कोयले का प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। देश के कुल कोयले में उसकी हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है। कंपनी ने 2023-24 तक एक अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब के खेल मंत्री ने स्वर्ण जीतने वाली सिमरनजीत को दी बधाई

चंडीगढ़।

जर्मनी में आयोजित कोलोन मुक्केबाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाले महिला खिलाड़ी सिमरनजती कौर को पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह सोढ़ी ने बधाई दी है।सिमरनजीत ने इस विश्व कप के फाइनल में मेजबान देश की खिलाड़ी को मात दे स्वर्ण पदक जीता था।सिमरनजीत ने 60 किलोग्राम भारवर्ग में माया क्लेइनहांस को विभाजित फैसले में मात दी। मंत्री ने कहा है कि सरकार ने सिमरनजीत की ओलम्पिक तैयारी का पूरा खर्च वहन करने की घोषणा पहले ही कर दी है। सोढ़ी ने कहा, यह एक आम परिवार की बेटी द्वारा हासिल की गई बड़ी उपलब्धि है। राज्य सरकार हर तरह से उन्हें आगे बढ़ाने में मदद करेगी।सिमरनजीत ने पहले ही ओलम्पिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। वह ओलम्पिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पंजाब की पहली महिला मुक्केबाज हैं। उन्होंने एशिया-ओसनिया क्वालीफायर्स में रजत पदक जीता था।

आईएसएल-7 : हैदराबाद को सीजन की पहली हार देकर शीर्ष पर मजबूत हुआ मुम्बई

गोवा।

मुम्बई सिटी एफसी ने रविवार को हैदराबाद एफसी को हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन की पहली हार देते हुए अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत की है। मुम्बई की यह इस सीजन की पांचवीं जीत है।मुम्बई ने दोनों हाफ में किए गए गोलों की मदद से यह मैच 2-0 से जीता। सात मैचों से अब उसके कुल 16 अंक हो गए हैं और अब उसने 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर काबिज एटीके मोहन बागान से तीन अंकों की दूरी बना ली है। हैदराबाद के छह मैचों से नौ अंक हैं और वह 11 टीमों की तालिका में छठे स्थान पर है।पहला हाफ 1-0 से मुम्बई के पक्ष में रहा। यह गोल हालांकि काफी प्रयास के बाद 38वें मिनट में हुआ। विग्नेश दक्षिणमूर्ति ने बिपिन सिंह की मदद से यह गोल किया। अहमद जाहो ने राइट टचलाइन से 40 गज का क्रॉस फील्ड बॉल बिपिन के पास पहुंचे, जिन्होंने हैदराबाद के बॉक्स के बाएं किनारे पर गेंद को रिसीव किया। बिपिन ने विग्नेश को पास वॉली किया, जिस पर विग्नेश ने पहले ही प्रयास में किक करते हुए गोल कर दिया। इस हाफ में हालांकि दोनों टीमें चैम्पियन की तरह खेलीं। पहले गोल से पूर्व की स्थिति यह थी कि दोनों में से किसी को बेहतर नहीं बताया जा सकता था। मुम्बई ने हालांकि शुरुआत से ही हमला किया था, जिसका गवार बिपिन का एक शानदार क्रास था। 15वें मिनट में भी मुम्बई ने एक और हमला किया वह भी नाकाम हो गया। इस बीच में हैदराबाद ने भी अपनी रक्षापंक्ति पर फोकस बनाए रखते हुए कुछ अच्छे मूव बनाए लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। 45वें मिनट में हैदराबाद के पास बराबरी करने का शानदार मौका था लेकिन मोहम्मद यासिर का हेडर पोस्ट के दूर से निकल गया। हैदराबाद ने एक अच्छे हमले के साथ दूसरे हाफ की शुरुआत की । उसने 48वें और 50वें मिनट में दो हमले किए लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। इसके बाद उसने निखिल पुजारी को बाहर कर लिस्टन कोलाको को अंदर लिया। कोलाको ने आते ही 54वें मिनट में एक हमला किया लेकिन मुम्बई की टीम उसे टाल गई। बदले में मुम्बई ने 59वें मिनट में गोल करते हुए 2-0 की लीड ले ली। उसके लिए यह गोल एडम लेफोंड्रे ने किया जबकि इसमें रोवलिन बोर्गेस का एसिस्ट रहा। 69वें मिनट में मुम्बई के गोलस्कोरर विग्नेश को पीला कार्ड मिला। 70वें और 71वें मिनट में हैदराबाद ने दो बदलाव किए। बदले में मुम्बई ने 79वें मिनट में दो बदलाव किए।मैदान में खेल की गरमाहट बढ़ती जा रही थी और इसी क्रम में 84वें मिनट में मुम्बई के गोलकीपर अमरिंदर सिंह और हैदराबाद के फारवर्ड लिस्टन कोलाको को पीला कार्ड मिला। 87वें मिनट में मुम्बई ने एक और बदलाव किया जबकि हैदराबाद ने गोल की आस में 89वें मिनट में फारवर्ड रोहित दानू को अंदर लिया। 90वें मिनट में मुम्बई के बोर्गेस रेफरी के बैडबुक में शामिल हुए लेकिन उन्हें खुशी होगी कि उनकी टीम तीन अंक हासिल कर चुकी है।

हेमिल्टन टी-20 : हफीज की 99 रन की पारी बेकार, न्यूजीलैंड ने जीती सीरीज

हेमिल्टन।

तेज गेंदबाज टिम साउदी (4 विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद टिम सिफर्ट (नाबाद 84) और कप्तान केन विलियम्सन (नाबाद 57) के अर्धशतकों ने मोहम्मद हफीज के नाबाद 99 रनों पर पानी फेर दिया। न्यूजीलैंड ने **Pakistan** के खिलाफ रविवार को नौ विकेट से जीत दर्ज करते हुए तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। मेजबान न्यूजीलैंड ने 164 रनों के लक्ष्य को चार गेंद शेष रहते एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। सिफर्ट ने 63 गेंदों पर आठ चौके और तीन छक्के जबकि विलियम्सन ने 42 गेंदों पर आठ चौके और एक छक्का लगाया। मार्टिन गुप्टिल 11 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले, **Pakistan** ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहले छह ओवरों में 33 रन के अंदर ही अपने तीन बल्लेबाजों हैदर अली (8), अब्दुल्लाह शफीक (0) और मोहम्मद रिजवान का विकेट गंवा दिया। हालांकि इसके बाद अनुभवी आलराउंडर हफीज ने 57 गेंदों पर 10 चौके और पांच छक्के की मदद से 99 रन की नाबाद पारी खेलकर **Pakistan** को छह विकेट पर 163 रन तक के स्कोर तक पहुंचाया। लेकिन उसके गेंदबाज इस स्कोर का बचाव नहीं कर सके। कीवी टीम के लिए साउदी ने 21 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट लिए। उन्हें मैन आफ द मैच का पुरस्कार मिला। **Pakistan** को पहले टी-20 में भी पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। दोनों टीमें अब मंगलवार को नेपियर में तीसरा और अंतिम मैच खेलेगी।

ला लीगा : सुआरेज के 200वें मैच में जीती एटलेटिको मेड्रिड

मेड्रिड। स्पेनिश लीग-ला लीगा में अपना 200वां मैच खेल रहे फॉरवर्ड लुइस सुआरेज के दो गोलों की मदद से एटलेटिको मेड्रिड ने एल्के को 3-1 से हराकर कर लीग की अंकतालिका में टॉप पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। **BBC** की रिपोर्ट के अनुसार, इस जीत के बाद एटलेटिको मेड्रिड 12 मैचों में 29 अंकों के साथ तालिका में टॉप पर मजबूती से कामय है। रियल सोसियादाद 26 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर कायम है। एटलेटिको मेड्रिड के लिए सुआरेज ने 41वें और 58वें मिनट में दो गोल दागे। उनके अलावा तीसरा गोल सब्सटीट्यूट डिएगो कोस्टा ने मैच खत्म होने से 10 मिनट पहले पेनाल्टी पर किया। एल्के के लिए एकमात्र गोल लुकास बॉये ने 64वें मिनट में हेडर से किया। ला लीगा में अपना 200वां मैच खेलने वाले सुआरेज का एटलेटिको मेड्रिड के लिए इस सीजन में नौ मैचों में सात गोल है।

आईएसएल-7 : बेंगलुरु के अजेयक्रम को तोड़ने उतरेगा एटीकेएमबी

फातोर्दा (गोवा)

हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन की दो इन फॉर्म टीमें-मौजूदा चैम्पियन एटीके मोहन बागान और बेंगलुरु एफसी सोमवार को यहां फातोर्दा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक-दूसरे से भिड़ेगी। जहां, एक तरफ एटीकेएमबी का आक्रमण और डिफेंस बेहद मजबूत दिख रहा है तो वहीं बेंगलुरु के आंकड़े भी खराब नहीं है और टीम इस सीजन में अब तक एक भी मैच नहीं हारी है। ये आंकड़े बताते हैं कि दोनों टीमों के बीच होने वाला यह मुकाबला काफी प्रतिस्पर्धात्मक हो सकता है क्योंकि दोनों ही फिलहाल टॉप-4 में है।एटीकेएमबी के कोच एंटोनियो हबास इस बात से अच्छी तरह से अवगत है कि उनकी टीम को अभी असली चुनौती का सामना करना बाकी है। लेकिन इसके बावजूद हबास को तीन अंक से कम कुछ मंजूर नहीं होगा।हबास ने कहा, मुझे लगता है कि सभी मैच को जीतना असंभव है। टीमें काफी संतुलित है और सभी टीमों के लिए जीत की लय को बनाए रखना मुश्किल है। फुटबॉल में तीन अंक पाने का विचार अच्छा है। मैं ड्रॉ या हारने के बारे में नहीं सोच सकता। एटीकेएमबी के डिफेंडरों का लीग में अब तक सबसे ज्यादा टैकल (233) है।हबास ने कहा, बेंगलुरु एक मजबूत टीम है। हमारे लिए अन्य मैचों की तरह ही इसमें भी तीन अंक लेना महत्वपूर्ण है। लेकिन मैं जानता हूं कि बेंगलुरु और एटीके मोहन बागान का मैच महत्वपूर्ण है। हम मैच के फैसले आने तक प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करते हैं। दूसरी तरफ, बेंगलुरु के कोच कार्लेस कुआड्रॉर्ट मानते हैं कि उनकी टीम को अपना अजेयक्रम जारी रखने के लिए एटीके मोहन बागान के खिलाफ शारीरिक चुनौती का सामना करना पड़ेगा।कुआड्रॉर्ट ने कहा, उनके पास (एटीके मोहन बागान) एक ऐसी टीम है जिसमें बहुत अच्छे खिलाड़ी है। हम उनके बारे में जानते हैं। वे उच्च गति के साथ खेल रहे हैं। हमने एफसी गोवा के खिलाफ उनके खेल में देखा कि कैसे उनके खिलाड़ी एक कॉम्पैक्ट इकाई के रूप में खेलते हैं और काउंटर अटैक और ओपन प्ले से फायदा उठाने की कोशिश करते हैं।उन्होने कहा, हबास की टीम इसी वजह से चैंपियन रही है। वे जानते हैं कि डिफेंड कैसे करना है। हमें भी यही प्रयास करना और बचना है। हमें स्कोर करने के लिए पर्याप्त मौके बनाने होंगे क्योंकि उनका डिफेंस बहुत अच्छा हैं और उन्होंने अब तक बहुत कम गोल खाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

पेले ने मेसी को दी बधाई, कहा मैं आपका काफी सम्मान करता हूं

नई दिल्ली। महान फुटबाल खिलाड़ी लियोनेल मेसी ने एक और महान फुटबाल खिलाड़ी ब्राजील के पेले के एक क्लब के लिए सबसे ज्यादा गोल करने के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। इस पर पेले ने स्पेनिश क्लब बार्सिलोना के लिए खेलने वाले मेसी की तारीफ की है। मेसी ने शनिवार शाम को ला लीगा में वालेंसिया के लिए खेलते हुए हेडर के जरिए गोल किया और पेले के 643 गोल की बराबरी कर ली। यह मैच 2-2 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। पेले ने **Instagram** पोस्ट में लिखा, जब आपका दिल प्यार से भरा हो तो रास्ता बदलना काफी मुश्किल होता है। आपकी तरह, मुझे पता है कि हर दिन एक ही शर्ट पहनने का मतलब क्या होता है। आपकी तरह, मुझे भी पता है कि हम जहां घर की तरह महसूस करते हैं उससे बेहतर जगह कुछ नहीं हो सकती। पूर्व ब्राजीलियाई खिलाड़ी ने लिखा, एक ऐतिहासिक रिकार्ड पर बधाई हो, लेकिन उससे भी ज्यादा बार्सिलोना में एक शानदार करियर के लिए बधाई। हमारी तरह की कहानियां, एक ही क्लब को लंबे समय तक प्यार करना, दुर्भाग्य यह है कि हम जैसे लोगों की तादाद कम हो रही है। मैं आपको काफी मानता हूं। मेसी ने यह मुकाम 17 सीजन में खेले गए 748 मैचों में हासिल किया है। वहीं पेले ने 665 मैचों में इतने गोल किए थे। तीन फीफा विश्व कप जीतने वाले इकलौते खिलाड़ी पेले के नाम विश्व में सबसे ज्यादा 1283 गोल करने का गीनिस बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड है, इन गोलों में दोस्ताना मैच भी शामिल हैं।

प्रीमियर लीग : एवर्टन ने आर्सेनल को 2-1 से हराया

लिवरपूल। एवर्टन ने यहां एडिसन पार्क में करीब 2000 दर्शकों के सामने खेले गए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के मुकाबले में आर्सेनल को 2-1 से पराजित कर दिया। ईएसपीएन की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार रात खेले गए इस मैच में एवर्टन को 22वें मिनट में ही 1-0 की बढ़त मिल गई जब आर्सेनल के डिफेंडर गोल बचाने के प्रयास में हेडर के जरिए आत्मघाती गोल कर बैठे। हालांकि निकोलस पेपे ने 35वें मिनट में पेनाल्टी पर गोल करके आर्सेनल को 1-1 की बराबरी दिला दी। लेकिन येरी मिना ने 45वें मिनट में गोल करके एवटर्न को हाफ टाइम तक 2-1 से आगे कर दिया।दूसरे हाफ में दोनों टीमें गोल नहीं दाग पाई और एवर्टन ने 2-1 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के बाद एवर्टन तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है जबकि आर्सेनल 15वें स्थान पर कायम है।

चिरमको को अपने आदर्श आकाशदीप के साथ सीनियर टीम में खेलने की उम्मीद

बेंगलुरु।

भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम के फॉरवर्ड सुदीप चिरमको ने कहा है कि वह सीनियर टीम के आकाशदीप सिंह को अपना आदर्श मानते हैं और उन्हें उम्मीद है कि वह एक दिन इस अनुभवी फॉरवर्ड के साथ खेलेंगे।सुदीप ने कहा, मुझे लगता है कि मैं जिस क्षेत्र में खेलता हूं, वह आकाशदीप सिंह की सीनियर टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वह हमेशा गेंद के साथ बहुत तेज होते हैं और उसकी स्थिति और ऑफ-द-बॉल रन हमेशा टीम के लिए उपयोगी होते हैं। इसलिए मैं हमेशा उनके खेल पर नजर रखता हूं और मैं उम्मीद करता हूं कि एक दिन भारतीय टीम के लिए उनके साथ खेलने में सक्षम रहूंगा। सुदीप वर्तमान में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के साथ राष्ट्रीय शिविर में बेंगलुरु के साई सेंटर में है। वह अर्जेंटीना में 2018 में आयोजित तीसरे युवा ओलंपिक खेलों में रजत पदक विजेता टीम के सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे जीवन और मेरे युवा करियर में एक अद्भुत समय है। जूनियर टीम के साथ उच्च स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। अब मैं कड़ी मेहनत करना चाहता हूं ताकि सीनियर टीम के लिए खेल सकूं। मैं एक ऐसे क्षेत्र से आता हूं, जो अपनी हॉकी के लिए जाना जाता है। यहां के कई खिलाडियों ने भारत का प्रतिनिधित्व किया है और मैं राष्ट्रीय टीम के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करता हूं। सुदीप ने 2018 में स्पेन में आयोजित आठ देशों इंविटेशनल टूर्नामेंट से भारत की जूनियर टीम के लिए पदार्पण किया था। वह 2019 में जोहोर कप जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे।

बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में स्मिथ के करीब पहुंचे कोहली

एडिलेड।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने आईसीसी की टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ से अंकों के अंतर को कम कर लिया है। यह अंतर 25 के बजाए 13 अंकों का रह गया है। ताजा रैंकिंग बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच के बाद जारी की गई हैं। कोहली ने एडिलेड ओवल मैदान पर खेले गए पहले मैच की पहली पारी में 74 रन बनाए थे, लेकिन दूसरी पारी में वह चार रन ही बना सके थे। वहीं स्मिथ ने पहली पारी में 29 गेंदों पर एक रन बनाया था जबकि दूसरी पारी में वह एक रन बनाकर नाबाद रहे थे। आस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशैन ने 47 और छह रनों की पारियां खेली थीं। उन्होंने अपने करियर में सर्वश्रेष्ठ 839 अंक हासिल कर लिए हैं। आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने पहली पारी में नाबाद 73 रन बनाए थे और इसी कारण वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 33वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। उनके 592 अंक हैं। दूसरी पारी में 51 रनों पर नाबाद रहने वाले आस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज जोए बर्न्स 48वें स्थान पर आ गए हैं। 2016 के बाद से पहली बार वह शीर्ष-50 में हैं। मैच में सात विकेट लेने वाले पैट कमिंस को छह अंकों का फायदा हुआ है। वह 904 से 910 अंकों पर आ गए हैं। वह दूसरे स्थान पर काबिज स्टुअर्ट ब्रॉड से काफी आगे हैं कमिंस पहले स्थान पर ही हैं। एडिलेड टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लेने वाले आस्ट्रेलियाई गेंदबाज जोश हेजलवुड को चार स्थान का फायदा हुआ है और वह शीर्ष पांच मे वापस आ गए हैं। भारत की तरफ से पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने नौवां स्थान हासिल कर लिया है। वह अब भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले गेंदबाज बन गए हैं। बुमराह 10वें स्थान पर आ गए हैं।

कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं, तीसरा टेस्ट एससीजी में खेलना प्राथमिकता : सीए

एडिलेड। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने कहा है कि भारत के साथ खेली जा रही चार मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मैच सिडनी में कराना ही उनकी प्राथमिकता है। सिडनी में कोविड-19 के नए मामले सामने आए हैं इसलिए इस मैच के आयोजन पर काले बादल छा गए हैं। तीसरा टेस्ट सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एसीसीजी) पर सात जनवरी से 11 जनवरी के बीच खेला जाना है।आस्ट्रेलियाई अखबार द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) तीसरे और चौथे टेस्ट के स्थान की अदला बदली के बारे में विचार कर रही है। चौथा टेस्ट ब्रिस्बेन में खेला जाना है। सीए के अंतरिम सीईओ निक हॉक्ले ने कहा, तीसरा टेस्ट ढाई सप्ताह दूर है। इसी कारण हमें सिडनी के नार्दन बीचेस में स्वास्थ स्थिति का आंकलन करने का मौका मिलेगा।उन्होंने कहा, हमने अपने कार्यक्रम में कोई भी बदलाव नहीं किया है और हमारी प्राथमिकता सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में ही तीसरा टेस्ट खेलने की है। हॉक्ले ने कहा कि सीए ने इस चुनौतीपूर्ण समर में अच्छा काम किया है और वह आगे भी वह सरकार, राज्य संघों, आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन और साझेदारों के साथ मिलकर उचित काम करती रहेगी।

नेशनल रैली : गौरव गिल ने दूसरा राउंड भी जीता

ईटानगर ।

भारत के अग्रणी रैली चालक गौरव गिल ने अपना विजयीक्रम जारी रखते हुए रविवार को चैम्पियन याच क्लब-एफएमएससीआई इंडियन नेशनल रैली चैम्पियनशिप 2002 का दूसरा राउंड, जिसे रैली ऑफ अरुणाचल के नाम से जाना जाता है, का खिताब जीत लिया। जेके टायर चालक ने अपने सहचालक मुसा शरीफ के साथ वहीं से शुरुआत की , जहां उन्होंने दो दिन पहले राउंड में समाप्त की थी। गिल ने 42.15.00 मिनट का समय निकालते हुए रैली जीता और ग्रैंड डबल के साथ अरुणाचल लेग पूरा किया। अपने एक्सयूवी300 में सवार तीन बार के एपीआरसी चैम्पियन गिल ने शानदार फार्म में दिखे और शुरुआत से ही अपना वर्चस्व जारी रखा। शुरुआत के दो नाइट स्टेज के बाद गौरव ने शनिवार को ही 1.51 मिनट की बढ़त ले ली थी। इसके बा छह स्पेशल स्टेजेज, जिनमें चार नाइट स्टेजेज भी शामिल हैं, में जीत हासिल करते हुए गिल ने खुद को इस राउंड में चैम्पियन के तौर पर स्थापित किया।गिल के टीममेट अमित्राजीत घोष ने अपने सहचालक अश्विन नाइक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। इन दोनों ने 43.48.1 मिनट का समय निकाला। घोष भी एक्सयूवी300 चला रहे थे। वह बीते एक साल से अधिक समय के कार में समस्या का सामना कर रहे थे लेकिन इस बार उन्होंने शानदार ड्राइविंग करते हुए सीजन का पहला पोडियम फिनिश हासिल किया।घोष ने कहा, पहले तो यह कहूं कि फिर से रैली में आकर अच्छा लग रहा है। **Covid** की हालत और फिर महेंद्रा का पुल करना, हमारे लिए काफी ट्रिकी सिचुएशन था लेकिन जेके टायर और महेंद्रा ने अंततः हमें सपोर्ट किया और अब चीजें नार्मल होने लगी हैं। मेरे लिए यह राउंड खास था क्योंकि काफी समय के पाद मैंने पोडियम फिनिश किया है। इसका सारा श्रेय कार को जाना चाहिए। इसी कार को मैंने यूरोप में चलाया है और अब मैं भारत में इस कार के प्रदर्शन से खुश हूं।मौजूदा चैम्पियन चेतन शिवराम अपने सहचालक रुपेश खोले (योकोहामा टायर्स) पहले राउंड में डिसक्वालीफई हो गए थे लेकिन दूसरे राउंड में इन दोनों ने स्टाक इंजन कार के साथ शुरुआत की।

कोलोन मुक्केबाज विश्व कप में भारत के प्रदर्शन को खेल मंत्री ने सराहा

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजों ने जर्मनी में आयोजित किए गए कोलोन विश्व कप में तीन स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। मुक्केबाजों के इस प्रदर्शन पर खेल मंत्री किरण रिजिजू ने खिलाड़ियों की सराहना की है। रिजिजू ने रविवार को अपने आधिकारिक ट्वीटर हैंडल पर लिखा, हमारे भारतीय पुरुष और महिलाओं ने कोलोन मुक्केबाजी विश्व कप में तीन स्वर्ण, दो रजत, चार कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। भारत ने मुक्केबाजी में शानदार सफलता हासिल की है। हमारे स्टार मुक्केबाजों को बधाई। पुरुष मुक्केबाज अमित पंघल (52 किलोग्राम भारवर्ग), महिला मुक्केबाज मनीषा मौन (57 किलोग्राम भारवर्ग), सिमरनजीत कौर (60 किलोग्राम भारवर्ग) ने स्वर्ण पदक जीते। साक्षी चौधरी (57 किलोग्राम भारवर्ग), सतीश कुमार (91 किलोग्राम भारवर्ग से ज्यादा) ने रजत पदक जीते। सोनिया लाठेर (57 किलोग्राम भारवर्ग), पूरा रानी (75 किलोग्राम भारवर्ग), गौरव सोलंकी (57 किलोग्राम भारवर्ग), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किलोग्राम भारवर्ग) ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रिसमस एक त्यौहार शांति दूत के नाम

क्रिसमस एक ऐसा त्यौहार है जिसे शायद दुनिया के सर्वाधिक लोग पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. आज यह त्यौहार विदेशों में ही नहीं बल्कि भारत में भी समान जोश के साथ मनाया जाता है. भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति के साथ क्रिसमस का त्यौहार भी पूरी तरह घुल-मिल गया है. सदियों से यह त्यौहार लोगों को खुशियां बांटता और प्रेम और सौहार्द की मिसाल कायम करता रहा है. यह त्यौहार हमारे सामाजिक परिवेश का प्रतिबिंब भी है, जो विभिन्न वर्गों के बीच भाईचारे को मजबूती देता आया है. क्रिसमस का अर्थ मानव मुक्ति और समानता है. बाइबिल के अनुसार, ईश्वर ने अपने भक्त याशायाह के माध्यम से 800 ईसा पूर्व ही यह भविष्यवाणी कर दी थी कि इस दुनिया में एक राजकुमार जन्म लेगा और उसका नाम इमेनुएल रखा जाएगा. इमेनुएल का अर्थ है 'ईश्वर हमारे साथ'. याशायाह की भविष्यवाणी सच साबित हुई और यीशु मसीह का जन्म इसी प्रकार हुआ.

स्वर्गदूतों ने दिया था यीशु जन्म का संदेश

ऐसी मान्यता है कि यीशु के जन्म के अवसर पर स्वर्गदूतों ने सर्वोच्च गगन में परमेश्वर को महिमा और पृथ्वी पर उसके कृपापात्रों को शांति यह संदेश कुछ चरवाहों को दिया था। गत हजारों वर्ष से ख्रीस्त जयंती की मंगलमय बेला में करोड़ों कंठों से इस संदेश की प्रतिध्वनि गूंजती आ रही है। इस संदेश की सुंदरता इसमें है कि यीशु के जन्म के साथ उदित होने वाली नई विश्वव्यवस्था की झलक इसमें निहित है। पृथ्वी पर मानवों के शांतिपूर्ण जीवन में ईश्वर की स्वर्गीय महिमा प्रतिबिंबित है। मनुष्य में ईश्वर महिमान्वित होता है। यीशु ईश्वर और मनुष्य के बीच की सजीव कड़ी है। सच्ची शांति अच्छे मन का अनुभव है। ऐसी शांति तभी संभव है जबकि हृदय भय और मृत्यु से, दर्द और पीड़ा से मुक्त हो। लेकिन हम एक भ्रष्ट और दमनकारी संसार में जीते हैं जहां भय राज करता है और शांति की जड़ कमजोर है। यह अस्वाभाविक भी नहीं है क्योंकि यहां सच्चे दिलवालों की संख्या निराशाजनक रूप से कम है। जहां धन और बल मनुष्य के भविष्य में नियंता हों, जहां ईमानदारी और नैतिकता को कमजोरी के लक्षण माना जाता हो, वहां शांति और सच्चाई का बना रहना असंभव है। आज संसार में जो शांति दिखाई पड़ती है, वह हृदय की सच्चाई से नहीं बल्कि हथियारों के समझौते से निकली है। शायद यीशु की विश्वव्यवस्था की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि हर मानव किसी भी जाति-वर्ग-वर्ण भेद के बिना ईश्वर की संतान बन सकता है। ईश्वर का जो रूप यीशु ने लोगों को बताया वह वास्तव में मन को छूने वाला है। ईश्वर इतना उदार है कि वह भले और बुरे, दोनों पर अपना सूर्य उगाता तथा धर्मी और अधर्मी दोनों पर पानी बरसाता है। ईश्वर सबको प्यार करता है, सबका ख्याल रखता है और पश्चातापी पापी को क्षमा करता है। मनुष्य को विधाता पर भरोसा रखना चाहिए। इस परम पिता की योग्य संतान बनने के लिए मनुष्य को दूसरों को प्रेम करना, दूसरों की सेवा करना तथा उनकी गलतियों को क्षमा करना है। इस नई व्यवस्था की मूल आज्ञा बिना शर्त प्रेम है और इसका स्वर्णिम नियम है- दूसरों से अपने प्रति जैसा व्यवहार चाहते हो, तुम भी उनके प्रति वैसा ही किया करो।

बालक यीशु के जन्म की सबसे पहली खबर इस दुनिया के सबसे निर्धन वर्ग के लोगों को मिली थी. वे कड़ी मेहनत करने वाले गड़रिये थे. सर्दी की रात जब उन्हें यह खबर मिली तो वे खुले आसमान के नीचे खतरों से बेखबर सोती हुई अपनी भेड़ों की रखवाली कर रहे थे. एक तारा चमका और स्वर्ग-दूतों के दल ने गड़रियों को खबर दी कि तुम्हारे बीच एक ऐसे बालक ने जन्म लिया है, जो तुम्हारा राजा होगा. पूरी दुनिया के गरीब यह खबर सुनकर जहां खुश हुए, वहीं गरीबों पर जुल्म करने वाला राजा हेरोदेस नाराज हो गया. उसने अपने राज्य में 2 वर्ष की उम्र तक के सभी बच्चों को कत्ल करने का आदेश जारी कर दिया, ताकि उसकी सत्ता को भविष्य में किसी ऐसे राजा से खतरा न रहे. अच्छाई को देखकर बुराई करने वाले इसी तरह दुखी और नाराज होते हैं. यही शैतानियत का प्रतीक है. ईसा मसीह इसी शैतानियत को तो खत्म करने के लिए आए थे.

ईसा मसीह ने मानव के रूप में जन्म लेने के लिए किसी संपन्न व्यक्ति का घर नहीं चुना. उन्होंने एक गरीब व्यक्ति के घर की गोशाला में घास पर जन्म लिया. दरअसल, वे गरीब, भोले-भाले और शोषित व पीड़ित लोगों का उद्धार करने आये थे. इसीलिए उन्होंने जन्म से ही ऐसे लोगों के बीच अपना स्थान चुना. यह बहुत बड़ा संदेश था.

30 वर्ष की आयु में ईसा मसीह ने सामाजिक अव्यवस्था के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद की. उन्होंने जनता को दीन-दुखियों और लाचारों की सहायता करने, प्रेमभाव से रहने, लालच न करने, ईश्वर और राज्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहने, जरूरतमंद की जरूरत पूरी करने, आवश्यकता से ज्यादा धन संग्रह न करने का उपदेश दिया. आज ईसा मसीह के दिए हुए संदेशों की प्रासंगिकता बहुत ज्यादा है, क्योंकि भले ही सामाजिक बुराइयों ने अपना रूप बदल लिया हो, लेकिन वे आज भी समाज में विद्यमान हैं और गरीबों, लाचारों, शोषितों, पीड़ितों और दलितों को उनका शिकार होना पड़ता है.

ईसा मसीह ने समाज को समानता का पाठ पढ़ाया था. उन्होंने बार-बार कहा कि वे ईश्वर के पुत्र हैं और भले ही इस दुनिया में क्रूरता, अन्याय और गैर-बराबरी जैसी अनेक बुराइयां हैं, पर ईश्वर के घर में सभी बराबर हैं. उन्होंने ऐसा ही समाज बनाने पर जोर दिया, जिसमें क्रूरता व अन्याय की जगह न हो और सभी प्रेम और समानता के साथ रहें. ऐसी ही एक कहानी बाइबिल में आती है, जो एक सामरी संप्रदाय की स्त्री की है. जब ईसा मसीह ने उससे पीने के लिए पानी मांगा तो स्त्री ने कहा कि तू यहूदी होकर मुझ सामरी स्त्री से पानी क्यों मांगता है? दरअसल, यहूदी लोग सामरियों के साथ किसी प्रकार का व्यवहार नहीं रखते थे और उन्हें कमतर मानते थे. लेकिन ईसा ने उसके हाथ का पानी पिया. ईसा मसीह ने दलित, दमित और असहाय लोगों को आशा और जीवन का संदेश दिया. उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण में लगाया. यही वजह थी कि उन्हें क्रॉस पर मृत्युदंड भी दिया गया. लेकिन दूसरों के हित में काम करने वाले मृत्युदंड से कब भयभीत हुए हैं. क्रिसमस का त्यौहार कई चीजों के लिए खास होता है जैसे क्रिसमस ट्री, स्टार, गिफ्टस आदि. और हां, कई लोग मानते हैं क्रिसमस के दिन सांता क्लॉज बच्चों को उपहार देता है. सांता क्लॉज को याद करने का चलन 4वीं शताब्दी से आरंभ हुआ था और वे संत निकोलस थे जो तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप थे. सांता क्लाज़ लाल व सफेद ड्रेस पहने हुए, एक वृद्ध मोटा पौराणिक चरित्र है, जो रेन्डियर पर सवार होता है तथा समारोहों में, विशेष कर बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. क्रिसमस उम्मीदों और खुशियों का त्यौहार है. ईसा मसीह का जीवन और उनके उपदेश आज भी इसलिए प्रासंगिक हैं, क्योंकि आज भी अमीरी-गरीबी, जातिवाद और सामाजिक विसंगतियां समाज में मौजूद हैं. जब हम अपने आसपास नजर डालेंगे और गरीब व लाचार लोगों के दुख-दर्द को समझेंगे और ईसा मसीह की तरह अपनी कोशिशों से उनके चेहरे पर थोड़ी-सी मुस्कान लाएंगे, तभी हमें क्रिसमस की वास्तविक खुशियां मिलेंगी.

कैसे हुई सांता क्लॉज की प्रसिद्धि...

सांता क्लॉज को भले ही आधुनिक बाजारवाद का प्रतीक माना जाए लेकिन इस किंवदंती की उत्पत्ति सदियों पुरानी है। माना जाता है कि तीसरी सदी में तुर्की में जन्मे संत निकोलस का ही आधुनिक रूप है सांता क्लॉज। अपने धर्मालु और दयालु स्वभाव के कारण वे जबर्दस्त लोकप्रिय थे। उन्होंने अपनी तमाम पुश्तैनी धन-दौलत दान कर दी थी और दूर-दूर तक सफर करके वे गरीबों की मदद किया करते थे। उनकी प्रसिद्धि के साथ-साथ उनसे जुड़ी किंवदंतियां भी फैलती गईं। बच्चों के प्रति उनके स्नेह की कथाएं विशेष रूप से प्रचलित हुईं। 6 दिसंबर को उनकी पुण्यतिथि बड़े पैमाने पर मनाई जाने लगी। माना जाता है कि सेंट (संत) निकोलस का नाम ही बिगड़कर पहले सिंतर क्लॉस और फिर सांता क्लॉज हो गया। योरप में खूब फैलने के बाद सांता क्लॉज की प्रसिद्धि 18वीं सदी में अमेरिका पहुंची। 1773-74 में न्यूयॉर्क में बसे हॉलैंड मूल के परिवारों ने सामूहिक रूप से सिंतर क्लॉस की पुण्यतिथि मनाई। फिर 1804 में न्यूयॉर्क हिस्टॉरिकल सोसायटी की वार्षिक सभा में उसके एक सदस्य जॉन पिंटर्ड ने संत निकोलस के लकड़ी के कटआउट बंटवाए। इनमें संत की छवि काफी कुछ वैसी ही थी जैसी आज सांता की छवि हमारे सामने है। तब तक संत निकोलस/ सिंतर क्लॉस/ सांता क्लॉज का क्रिसमस के साथ कोई सीधा संबंध नहीं था। फिर 1822 में क्लेमेंट क्लार्क मूर ने अपनी तीन बेटियों के लिए एक लंबी कविता लिखी एन अकाउंट ऑफ ए विजिट फ्रॉम सेंट निकोलस। इसमें सेंट निकोलस को एक गोलमटोल, हंसमुख बुजुर्ग बताया गया, जो क्रिसमस की पूर्व रात्रि में रेनडियर वाली गाड़ी में उड़ते हुए आते हैं और चिमनी केरास्ते घरों में प्रवेश कर घर में टंगी जुराबों में बच्चों के लिए उपहार छोड़ जाते हैं। यह कविता जब प्रकाशित हुई तो अमेरिका भर में सेंट निकोलस/ सांता क्लॉज लोकप्रिय हो गए। जर्मन मूल के अमेरिकी कार्टूनिस्ट थॉमस नेस्ट 1863 से प्रति वर्ष सांता की नई छवि गढ़ने लगे। 1880 के दशक तक सांता की छवि वह रूप ले चुकी थी, जिससे आज हम सब परिचित हैं।

क्रिसमस ट्री सजाने की परंपरा

क्रिसमस ट्री सजाने की परंपरा जर्मनी में दसवीं शताब्दी के बीच शुरू हुई और इसकी शुरुआत करने वाला पहला व्यक्ति बोनिफेंस टुयो नामक एक अंगरेज धर्मप्रचारक था। इसके बाद अमेरिका के एक आठ साल के बीमार बच्चे ने क्रिसमस पेड़ को अपने पिता से सजवाया तब से क्रिसमस ट्री को रंग-बिरंगी बत्तियों, फूलों और कांच के टुकड़ों से सजाया जाने लगा। इंग्लैंड में 1841 में राजकुमार पिंटो एलबर्ट ने विंजर कासल में क्रिसमस ट्री को सजावाया था। उसने पेड़ के ऊपर एक देवता की दोनों भुजाएं फैलाए हुए मूर्ति भी लगवाई, जिसे काफी सराहा गया। क्रिसमस ट्री पर प्रतिमा लगाने की शुरुआत तभी से हुई। पिंटो एलबर्ट के बाद क्रिसमस ट्री को घर-घर पहुंचाने में मार्टिन लूथर का भी काफी हाथ रहा। क्रिसमस के दिन लूथर ने अपने घर वापस आते हुए आसमान को गौर से देखा तो पाया कि वृक्षों के ऊपर टिमटिमाते हुए तारे बड़े मनमोहक लग रहे हैं। मार्टिन लूथर को तारों का वह दृश्य ऐसा भाया कि उस दृश्य को साकार करने के लिए वह पेड़ की डाल तोड़ कर घर ले आया। घर ले जाकर उसने उस डाल को रंगबिरंगी पत्रियों, कांच एवं अन्य धातु के टुकड़ों, मोमबत्तियों आदि से खूब सजा कर घर के सदस्यों से तारों और वृक्षों के लुभावने प्राकृतिक दृश्य का वर्णन किया। वह सजा हुआ वृक्ष घर सदस्यों को इतना पसंद आया कि घर में हर क्रिसमस पर वृक्ष सजाने की परंपरा चल पड़ी। 1920 की बात है, सान फ्रांसिस्को शहर में पांच साल की बालिका की हालत गंभीर थी। उसके पिता सैंडी ने कुछ बड़े-बड़े मिट्टी के हंडों पर चित्रकारी की और उन्हें घर से सड़क की दूसरी तरफ रस्सी पर लटका कर दिखाया। वे इतने सुंदर लगे कि काफी लोग उन्हें देखने को इकट्ठे हो गए। सौभाग्य की बात थी कि नए साल तक बालिका भी ठीक हो गई। इस घटना से सैंडी बड़ा चकित हुआ। अब वह लोगों को क्रिसमस वृक्ष सजाने के अलावा लगाने के लिए भी कहता। उसने कैलिफोर्निया में एक संस्था बनाई, जो पेड़ लगाने के उत्सुक लोगों को रेडवुड वृक्ष के पौधे मुफ्त भेजती थी। सैंडी ने 20 साल तक रेडियो, समाचार-पत्रों आदि में लेख और व्याख्यान देकर लोगों को पेड़ लगाने के लिए उत्साहित किया।

क्रिसमस ट्री की कथा है कि जब महापुरुष ईसा का जन्म हुआ तो उनके माता-पिता को बधाई देने आए देवताओं ने एक सदाबहार फर को सितारों से सजाया। कहा जाता है कि उसी दिन से हर साल सदाबहार फर के पेड़ को क्रिसमस ट्री प्रतीक के रूप में सजाया जाता है।

विदेशों में कैसे सजाया जाता है क्रिसमस ट्री

- योरपीय मुल्कों में क्रिसमस की पूर्व संध्या को क्रिसमस ट्री दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इस पर बिजली के रंगबिरंगे बल्ब जगमगाते रहते हैं। देश-विदेश के महकते फूल भी इसकी शोभा में चार चांद लगाते हैं। हीरे-मोती से जड़े कंगन इसकी पतली-पतली टहनियों में बड़ी तरकीब से पिरोए जाते हैं। ये कंगन अपनी बहुरंगी आभा से क्रिसमस ट्री को और भी ज्यादा रोशन करने लगते हैं।
- अमेरिका के अरबपति तो क्रिसमस ट्री की विशेष सज्जा के लिए कुछ खास किस्म के कीमती आभूषणों का प्रयोग करते हैं। ये आभूषण हवा के साथ-साथ तरह-तरह की खुशबू से महकने भी लगते हैं। बाद में इन आभूषणों को गरीबों में बांट दिया जाता है।
- स्विस वैज्ञानिकों का कहना है कि क्रिसमस के पेड़ में आनुवांशिक परिवर्तन कर उन्हें स्वयं ही प्रदीप्त होने वाला बनाया जा सकता है। इतना ही नहीं, आनुवांशिक परिवर्तन वाले पेड़ विद्युत सर्पमीन की तरह आवाज भी निकाल सकेंगे।
- इस संदर्भ में ज्यूरिख के वैज्ञानिक डॉ. बर्नार्ड का कहना है क्रिसमस ट्री में जैविक परिवर्तन कर प्रकाश संश्लेषण के जरिए विद्युत उत्पादन किया जा सकता है। हां, आनुवांशिक परिवर्तन के उपरांत इन पेड़ों को कहीं भी लगाया जा सकता है।
- इंग्लैंड के निवासी जन्मदिन, विवाह एवं मृत्यु पर क्रिसमस ट्री जमीन में रोपते हैं, ताकि धरती सदा हरियाली से झूमती रहे।

गो कैरोलिंग दिवस

दुनिया को शांति और अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिन क्रिसमस से ठीक पहले उनके संदेशों को भजनों (कैरल) के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाने की प्रथा को विश्व के विभिन्न हिस्सों में 'गो कैरोलिंग दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

दिल्ली स्थित रोमन कैथलिक चर्च के प्रवक्ता फादर डोमेनिक इमैनुअल के अनुसार क्रिसमस से ठीक पहले कैरोलिंग दिवस के दिन ईसाई धर्मावलंबी रंगबिरंगे कपड़े पहनकर एक-दूसरे के घर जाते हैं और भजनों के माध्यम से प्रभु के संदेश का प्रचार-प्रसार करते हैं। उन्होंने कहा, 'प्रभु की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं के समूह में भजन गायन का यह सिलसिला क्रिसमस के बाद भी कई दिनों तक जारी रहता है। कैरल एक तरह का भजन होता है जिसके बोल क्रिसमस या शीत ऋतु पर आधारित होते हैं। ये कैरल क्रिसमस से पहले गाए जाते हैं।'' डोमेनिक ने कहा, 'ईसाई मान्यता के अनुसार कैरल गाने की शुरुआत यीशु मसीह के जन्म के समय से हुई। प्रभु का जन्म जैसे ही एक गौशाला में हुआ वैसे ही स्वर्ग से आए दूतों ने उनके सम्मान में कैरल गाना शुरू कर दिया और तभी से ईसाई धर्मावलंबी क्रिसमस के पहले ही कैरल गाना शुरू कर देते हैं।'' फादर डोमेनिक ने कहा कि गो कैरोलिंग दिवस एक ऐसा मौका होता है जब लोग बड़े धूमधाम से प्रभु यीशु की महिमा, उनके जन्म की परिस्थितियों, उनके संदेशों, मां मरियम द्वारा सहे गए कष्टों के बारे में भजन गाते हैं। डोमेनिक ने बताया कि प्रभु यीशु मसीह का जन्म बहुत कष्टमय परिस्थितियों में हुआ। उनकी मां मरियम और उनके पालक पिता जोसफ जनगणना में नाम दर्ज कराने के लिए जा रहे थे।उन्होंने कहा कि इसी दौरान मां मरियम को प्रसव पीड़ा हुई लेकिन किसी ने उन्हें रूकने के लिए अपने मकान में जगह नहीं दी। अंतत- एक दंपति ने उन्हें अपनी गौशाला में शरण दी जहां प्रभु यीशु मसीह का जन्म हुआ। फादर डोमेनिक ने बताया कि भारत में भी यह दिन बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर समेत समूचे पूर्वोत्तर भारत में लोग विशेषकर युवा बेहद उत्साह के साथ टोलियों में निकलते हैं और रात भर घर-घर जाकर कैरल गाते हैं।

उपहारों का आदान-प्रदान

लीजिए, क्रिसमस आ गया! प्रेम, करुणा, क्षमा और सद्भावना का संदेश देने वाले ईसा मसीह का जन्मदिन। यूं तो यह विश्व की एक तिहाई आबादी यानी ईसाइयों का त्योहार है, लेकिन क्रिसमस का तिलस्म ईसाइयों तक सीमित नहीं है और क्यों नहीं, आखिर ईसा का संदेश देश, काल, समुदाय, संस्कृति की सीमाओं से परे है। यही कारण है कि क्रिसमस की धूम किसी न किसी रूप में दुनिया भर में मची रहती है। क्रिसमस सिर्फ ईसा के शाश्वत संदेश को याद करने व उनके जन्म की खुशियां मनाने के पर्व तक सीमित नहीं है। विश्व के कई देशों में यह वर्षभर का सबसे बड़ा आर्थिक उत्प्रेरक भी है। इनमें विश्व अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने वाले अमेरिका, योरप के साथ-साथ अन्य कई देश भी शामिल हैं। जहां नुक्कड़ की दुकानों से लेकर बड़े-बड़े मॉल्स तक में क्रिसमस पर तमाम वस्तुओं की बिक्री सामान्य से कई गुना तक बढ़ जाती है। अनेक छोटी-बड़ी कंपनियां इस अवसर पर अपने नए उत्पाद लांच करती हैं। लुभावने सेल व डिस्काउंट योजनाएं तो होती ही हैं। बिक्री इसलिए भी अधिक होती है क्योंकि लोग क्रिसमस पर केवल स्वयं के लिए ही खरीददारी नहीं करते बल्कि रिश्तेदारों, मित्रों, स्नेहियों को भेंट करने के लिए उपहार भी खरीदते हैं। कंपनियां अपने कर्मचारियों को उपहार देने के लिए थोक में ऑर्डर देती हैं। क्रिसमस पर जमकर खरीददारी करते हैं और उपहारों का आदान-प्रदान भी करते ही हैं। पसंद न आने वाले उपहारों की आपस में अदला-बदली कर लेने का चलन भी काफी बढ़ गया है। आपको कहीं से मिला उपहार मुझे पसंद है और मुझे मिल गया है आपकी पसंद का उपहार, तो चलो एक्सचेंज कर लें। आप भी खुश, मैं भी खुश। उपहार देने वालों का कोई नुकसान नहीं हुआ और दुकानदार तो खैर, माल बेचकर खुश है ही। चारों ओर खुशियां फैलाने से बेहतर क्या तरीका होगा क्रिसमस मनाने का!

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने संसद को किया भंग, मध्यावधि चुनाव कराये जाने की घोषणा की

काठमांडू। नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सिफारिश पर रविवार को संसद को भंग कर दिया और अप्रैल-मई में मध्यावधि आम चुनाव कराये जाने की घोषणा की। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक नोटिस के अनुसार राष्ट्रपति भंडारी ने 30 अप्रैल को पहले चरण और 10 मई को दूसरे चरण का मध्यावधि चुनाव कराये जाने की घोषणा की। नोटिस के अनुसार उन्होंने नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 76, खंड एक तथा सात, और अनुच्छेद 85 के अनुसार संसद को भंग कर दिया।

इससे पूर्व प्रधानमंत्री ओली की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की एक आपात बैठक में राष्ट्रपति से संसद की प्रतिनिधि सभा को भंग करने की सिफारिश करने का फैसला किया गया था। वर्ष 2017 में निर्वाचित प्रतिनिधि सभा या संसद के निचले सदन में 275 सदस्य हैं। ऊपरी सदन नेशनल एसेंबली है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है कि जब सत्तारूढ़ दल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) में आंतरिक कलह चरम पर पहुंच गई थी। पार्टी के दो धड़ों के बीच महीनों से टकराव जारी है। एक धड़े का नेतृत्व 68 वर्षीय ओली तो वहीं दूसरे धड़े की अगुवाई पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तथा पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड कर रहे हैं।

नेपाल में हुई मंत्रिमंडल की आपात बैठक, केपी शर्मा ओली ने संसद भंग करने की सिफारिश की

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने रविवार को हुई मंत्रिमंडल की आपात बैठक में संसद भंग करने की सिफारिश की है। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई है। ओली ने सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के शीर्ष नेताओं और मंत्रियों के साथ शनिवार को सिलसिलेवार मुलाकातों के बाद मंत्रिमंडल की आपात बैठक बुलाई थी। यह खबर हिमालयन टाइम्स अखबार ने प्रकाशित की। काठमांडू पोस्ट ने ऊर्जा मंत्री वर्षमान पून के हवाले से कहा कि आज मंत्रिमंडल ने राष्ट्रपति से संसद भंग करने की सिफारिश करने का फैसला किया है। खबरों में कहा गया है कि इस अनुशंसा को मंजूरी के लिये राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी के पास भेजा जाएगा। ओली ने पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दल प्रचंड के साथ सत्ता संघर्ष के बीच यह कदम उठाया है।

सिडनी में बढ़ा कोरोना संक्रमण का कहर, सरकार ने बुधवार तक के लिए लगाया लॉकडाउन

सिडनी। सिडनी के उत्तरी तटीय क्षेत्रों में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 संक्रमण के 30 नए मामले सामने आने के बाद कुल मामले बढ़कर 70 हो गए। अधिकारियों का कहना है कि वे संक्रमित मरीजों के संपर्क में आने वालों की पहचान संभवत- कभी नहीं कर पाएंगे। 'न्यू साउथ वेल्स' के प्रीमियर ग्लैडिज बेरेजीक्लायन ने रविवार को कहा कि उत्तरी तटीय क्षेत्र के बाहर संक्रमण के मामलों में वृद्धि के साक्ष्य नहीं मिले हैं, लेकिन नए मामलों की सूची से यह पता चलता है कि वायरस ग्रेटर सिडनी और राज्य के अन्य हिस्सों में फैल रहा है। सरकार ने बुधवार तक क्षेत्र में लॉकडाउन घोषित कर दिया गया है। वहीं थाईलैंड में शनिवार को कोविड-19 के एक दिन में सर्वाधिक 548 नए मामले सामने आए। थाईलैंड में सीमा पर सख्त प्रतिबंधों और दिशानिर्देशों के बाद कई महीनों बाद संक्रमण के इतने नए मामले सामने आए हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लगवाई कोरोना वैक्सीन, बोले- लोगों को करना चाहता था प्रेरित

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव का टीका लगवाया जिसका टेलीविजन पर सीधा प्रसारण किया गया। नेतन्याहू कोरोना वायरस रोधी टीका लगवाने वाले अपने देश के पहले व्यक्ति हैं। इसके साथ ही वह दुनिया के उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हो गए हैं जिन्होंने यह टीका लगवाया है। उन्होंने कहा कि वह खुद का उदाहरण पेश करने के लिए सबसे पहला टीका लगवाना चाहते थे और इसके जरिए लोगों को प्रेरित भी करना चाहते थे।

अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल के हत्यारे ने किया दावा, असली मास्टरमाइंड कोई और

इस्लामाबाद। अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या के मामले में एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पर्ल के माता-पिता का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील ने कोर्ट में हस्तलिखित पत्र पेश किया है। इसमें मुख्य आरोपित ने दावा किया है कि उसे अमेरिका के दबाव के चलते बलि का बकरा बनाय गया, जबकि असली मास्टरमाइंड कराची में रहने वाला एक आतंकवादी था। बता दें कि द वॉल स्ट्रीट जर्नल के 38 वर्षीय दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख पर्ल का वर्ष 2002 में अपहरण कर सिर कलम कर दिया गया था। जिस समय इस वारदात को अंजाम दिया गया था, उस समय पर्ल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ और अलकायदा के संबंधों पर खबर कर रहे थे। पर्ल की हत्या के मामले में ब्रिटिश मूल के अलकायदा आतंकी अहमद उमर सईद शेख और उसके तीन अन्य सहयोगियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई गई थी।

निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोले, साइबर हमले के पीछे रूस के बजाए हो सकता है चीन का हाथ

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में हुए साइबर हमले के लिए रूस के बजाए चीन पर शक जताया है, जबकि अमेरिकी विदेश मंत्री एवं अन्य शीर्ष अधिकारियों ने इस हमले के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रंप ने साइबर हमले के बारे में पहली बार शनिवार को सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करते हुए रूस को जिम्मेदार ठहराए जाने के विचार का उपहास उड़ाया और इस साइबर हमले को खास तवज्जो नहीं दी, जबकि देश की साइबर सुरक्षा एजेंसी ने सचेत किया है कि इससे सरकारी और निजी नेटवर्कों को ''गंभीर'' खतरा हो सकता है।

ट्रंप ने शनिवार को ट्वीट किया, ''साइबर हैक वास्तविकता के बजाए फर्जी समाचार मीडिया में अधिक बड़ा है। मुझे पूरी जानकारी दी गई है और सब कुछ नियंत्रण में है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि मीडिया ''चीन का हाथ होने की संभावना पर चर्चा करने को लेकर डरा हुआ'' है। इससे पहले, अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने शुक्रवार को कहा था कि यह बिल्कुल स्पष्ट हो चुका है कि अमेरिका के खिलाफ सबसे खतरनाक साइबर हमले के पीछे रूस का ही हाथ था। यह स्पष्ट नहीं है कि हैकर्स क्या चाह रहे थे, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि उनके मंसूबों में परमाणु हथियार से जुड़े रहस्य, उन्नत हथियारों की रूपरेखा, कोविड-19 टीके से संबंधित अनुसंधान और सरकार के प्रमुख नेताओं और बड़े उद्योगपतियों के बारे में जानकारी एकत्र करना शामिल हो सकता है।

पोम्पिओ ने शुक्रवार देर रात एक रेडियो टॉक शो के संचालक मार्क लेविन के साथ साक्षात्कार में कहा था, ''मुझे लगता है कि इस मामले में अब हम स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि रूसी लोग ही इस गतिविधि में संलिप्त थे।'' एक अमेरिकी अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि व्हाइट हाउस साइबर हमले के पीछे रूस का हाथ होने का दावा करने वाला बयान शुक्रवार दोपहर को जारी करने वाला था, लेकिन अंतिम क्षण में उसे ऐसा नहीं करने को कहा गया। व्हाइट हाउस ने ट्रंप के दावों के आधार या बयान संबंधी प्रश्नों पर तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी है और उसने पोम्पिओ की टिप्पणियों के बारे में भी अभी कुछ नहीं कहा है।

ब्रिटेन में कोरोना की नई स्ट्रेन से दहशत, नीदरलैंड ने आने वाली फ्लाइटें रोकीं, जानें कितना बड़ा है यह खतरा

द हेग। (एजेंसी)।

ब्रिटेन में कोरोना वायरस की नई स्ट्रेन का पता चला है जो इंग्लैंड के दक्षिण-पूर्व इलाकों में काफी तेजी से फैल रही है। वैसे अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कोरोना वायरस की यह नई किस्म पहले वाले नोवेल कोरोना वायरस से अधिक संक्रामक है या नहीं लेकिन इसको लेकर बाकी मुल्कों में दहशत का माहौल है। समाचार एजेंसी रॉयटर के मुताबिक, दक्षिण इंग्लैंड में कोरोना की नई स्ट्रेन के सामने आने के बाद नीदरलैंड ने इस साल के अंत तक ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर रोक लगा दी है।

हालांकि वैज्ञानिक यह पता लगा रहे हैं कि हाल में ही कोरोना मरीजों में बढ़ोतरी कहीं कोरोना के नए प्रकार से तो नहीं हुई है। ब्रिटिश विज्ञानियों ने वायरस के इस नए प्रकार को 'वीयूआइ 202012/01' नाम दिया है। नीदरलैंड ने ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर रोक इसलिए लगाई है ताकि इसका प्रकोप उसकी सीमा तक नहीं पहुंचे। समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, नीदरलैंड की लागू प्रतिबंध रविवार सुबह से प्रभावी हो गया। नीदरलैंड की सरकार ने कहा कि उसने कोरोना से बचाव के ब्रिटेन के सख?त उपायों को लागू करने के बाद यह फैसला लिया है।

मालूम हो कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने लंदन और आसपास के इलाकों में शनिवार को सख्त प्रतिबंधों का एलान किया था। सनद रहे कि

ब्रिटेन में यह वाकया टीकाकरण अभियान के जारी रहने के दौरान सामने आया है। पीएम जॉनसन का कहना है कि अभी कोई प्रमाण नहीं है कि कोविड वैक्सीन इस पर प्रभावी होगी तो कितनी या यह कितना घातक होगा। नीदरलैंड का कहना है कि वह ब्रिटेन से वायरस के नए रूप को आने से रोकने के लिए यूरोपीय संघ के अन्य देशों के साथ विभिन्न संभावनाओं पर चर्चा करेगा।

गौरतलब है कि जॉनसन ने बीते दिनों कहा था कि ऐसा लग रहा है कि कोरोना वायरस का नया रूप दुनिया के सामने आ गया है जो पहले के वायरस के मुकाबले 70 फीसद ज्यादा तेजी से फैलता है। समाचार एजेंसी एपी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि माना यह भी जा रहा है कि लंदन और दक्षिण इंग्लैंड में कोरोना का संक्रमण तेजी से फैला सकता है। यह पूरा घटनाक्रम ऐसे वक्त में सामने आया है जब दुनिया के तमाम मुल्कों में टीकाकरण की तैयारियां चल रही है और कई देशों में लोगों को टीके लगाए जा रहे हैं।

पाकिस्तान में पख्तूनों पर अत्याचार के खिलाफ विश्वव्यापी अभियान, वर्चुअल विरोध भी हुआ शुरू

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

वाशिंगटन, एजेंसियां। पाकिस्तान में बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों और पख्तूनों पर अत्याचार के मामले में अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बनाना शुरू हो गया है। पख्तूनों के संगठन ने लगातार हो रहे जुल्मों के खिलाफ वर्चुअल विरोध शुरू कर दिया। अमेरिका और मानवाधिकार संगठनों से मांग की है कि वह पाक में मानवाधिकारों के हनन, पख्तूनों की सरकारी एजेंसियों की हिरासत में हो रही मौत के सिलसिले को रोके। पख्तून तहफ्फुज मूवमेंट यूएसए (पीटीएम यूएसए) ने यह अभियान अपने नेता और वजीरिस्तान से सांसद अली वजीर की गिरफ्तारी के बाद शुरू किया है।

16 दिसंबर को हुई थी गिरफ्तारी

अली वजीर की गिरफ्तारी 16 दिसंबर को उस समय हुई थी, जब वे आर्मी पब्लिक स्कूल में हमले की छठी पुण्यतिथि में शामिल हुए थे। इस हमले में डेढ़ सौ बच्चों की मौत हो गई थी। अली वजीर को पुलिस ने बेरहमी से पिटाई की और बाद में हथकड़ी लगाकर मीडिया के सामने ले जाया गया। उन पर राज द्रोह और भाषणों से नफरत फैलाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। अली वजीर को आतंकविरोधी अदालत ने 30 दिसंबर तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

अली वजीर की गिरफ्तारी के बाद से ही

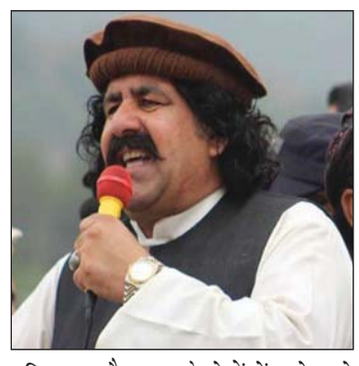

पाकिस्तान और बाहर के देशों में रहने वाले पख्तूनों ने आंदोलन शुरू कर दिया है। अमेरिका में पीटीएम ने वर्चुअल सम्मेलन कर विरोध जताया। उन्होंने अमेरिका और विश्व के समस्त मानवाधिकार संगठनों से मांग की कि वह पाकिस्तान में पख्तूनों पर हो रहे अत्याचार को रोके। पीटीएम यूएसए के अख्तर यूसैफी ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार और सेना पूरी तरह से अवैधानिक कार्य करते हुए जुल्म और ज्यादती कर रही है।

पख्तून नेता हैवाद हिम्मत ने कहा कि लगता है कि पाकिस्तान ने पूर्वी बंगाल अलग हो जाने से कोई सबक नहीं लिया है। उन्होंने पाकिस्तान को आगाह किया कि यदि ज्यादतियां नहीं रुकी तो पाकिस्तान को एक और विभाजन देखना होगा।

सुअर के मांस से बनी कोरोना वैक्सीन जायज है या नहीं, मुस्लिम धर्मगुरुओं के बीच असमंजस

जकार्ता। (एजेंसी)।

दुनियाभर के इस्लामिक धर्मगुरुओं के बीच इस बात को लेकर असमंजस है कि सुअर के मांस का इस्तेमाल कर बनाए गए कोविड-19 टीके इस्लामिक कानून के तहत जायज हैं या नहीं। एक ओर कई कंपनियां कोविड-19 टीका तैयार करने में जुटी हैं और कई देश टीकों की खुराक हासिल करने की तैयारियां कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर कुछ धार्मिक समूहों द्वारा प्रतिबंधित सुअर के मांस से बने उत्पादों को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जिसके चलते टीकाकरण अभियान के बाधित होने की आशंका जताई जा रही है।

टीकों के भंडारण और ढुलाई के दौरान उनकी सुरक्षा और प्रभाव बनाए रखने के लिये सुअर के मांस (पोर्क) से बने जिलेटिन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है। कुछ कंपनियां सुअर के मांस के बिना टीका विकसित करने पर कई साल तक काम कर चुकी हैं। स्विटजरलैंड की दवा कंपनी 'नोवारटिस' ने सुअर का मांस इस्तेमाल किए

बिना मैनिंजाइटिस् टीका तैयार किया था जबकि सऊदी और मलेशिया स्थित कंपनी एजे फार्मा भी ऐसा ही टीका बनाने का प्रयास कर रही हैं।

हालांकि, फाइजर, मॉडर्न, और एस्ट्राजेनेका के प्रवक्ताओं ने कहा है कि उनके कोविड-19 टीकों में सुअर के मांस से बने उत्पादों का इस्तेमाल नहीं किया गया है, लेकिन कई कंपनियां ऐसी हैं जिन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया है कि उनके टीकों में सुअर के मांस से बने उत्पादों का इस्तेमाल किया गया है या नहीं। ऐसे में इंडोनेशिया जैसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाले देशों में चिंता पसर गई है। ब्रिटिश इस्लामिक मेडिकल एसोसिएशन के महासचिव सलमान वकार का कहना है कि 'ऑर्थोडॉक्स यहूदियों और मुसलमानों समेत विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच टीके के इस्तेमाल को लेकर असमंजस की स्थिति है, जो सुअर के मांस से बने उत्पादों के इस्तेमाल को धार्मिक रूप से अपवित्र मानते हैं। सिडनी विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर डॉक्टर हरनूर राशिद कहते हैं कि टीके में पोर्क जिलेटिन के उपयोग पर अब तक हुई विभिन्न परिचर्चा में आम सहमति यह बनी है कि यह इस्लामी कानून के तहत स्वीकार्य है, क्योंकि यदि टीकों का उपयोग नहीं किया गया तो 'बहुत नुकसान' होगा।

इजराइल की रब्बानी संगठन 'जोहर' के अध्यक्ष रब्बी डेविड स्टेव ने कहा, ''यहूदी कानूनों के अनुसार सुअर का मांस खाना या इसका इस्तेमाल करना तभी जायज है जब इसके बिना काम न चले।'' उन्होंने कहा कि अगर इसे इंजेक्शन के तौर पर लिया जाए और खाया नहीं जाए तो यह जायज है और इससे कोई दिक्कत नहीं है। बीमारी की हालत में इसका इस्तेमाल विशेष रूप से जायज है।

अफगानिस्तान में 74 तालिबानी आतंकवादी किए गए ढेर, एक सप्ताह के अंदर सेना की दूसरी बड़ी कार्रवाई

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में शांति वार्ता की प्रक्रिया के आगे बढ़ने के बाद भी हिंसा की वारदातों पर लगाम नहीं लग रही है। कंधार प्रांत में कई स्थानों पर अफगान सेना से संघर्ष में 74 तालिबानी आतंकवादी मारे गए। राजधानी काबुल में एक कार बम विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई।

अफगान रक्षा मंत्रालय के अनुसार पिछले दिनों में कंधार में हिंसा की वारदातों में तेजी आई है। जगह-जगह तालिबानी आतंकवादियों के हमलों का जवाब दिया गया। इसमें 74 तालिबानी हमलावर मारे गए। रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक पिछले सप्ताह में भी 82 तालिबानी आतंकवादी सेना की कार्रवाई में मरे थे।

इधर राजधानी काबुल में पीडी 5 क्षेत्र के स्पिन कैले स्क्वायर में एक कार बम विस्फोट में नौ लोगों की मौत और पन्द्रह लोग घायल हो गए। बम विस्फोट यहां के सांसद हाजी खान मुहम्मद वारडक को निशाना बनाकर किया गया था। उस समय सांसद अपनी कार

में नहीं थे। काबुल में नौ स्थानों पर रॉकेट से हमला किया गया।

एक दिन पहले बाल्ख प्रांत में एक क्षेत्रीय नेता को बम विस्फोट में मारने की कोशिश की गई थी। यहां पर तीन वाहनों में आग लग गई। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं है।

काबुल में हाल में ही कुछ बड़ी घटनाओं से इस बात की आशंका है कि वारदातों में और तेजी आ सकती है। पिछले दिनों अफगान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी महबूबुल्लाह माहेबी और उनके सहायक की गोली मारकर हत्या कर की गई थी।

दुनियाभर में कोरोना से 7.51 करोड़ से ज्यादा संक्रमित, 16,80,874 की मौत, पाक में तेजी से बढ़ रहे केस, अमेरिका में बिगड़े हालात

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

दुनियाभर में 7.62 करोड़ से अधिक लोग कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी की चपेट में आ चुके है, जबकि 16.84 लाख अधिक लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। अमेरिका में महामारी का सबसे रौद्र रूप सामने आ रहा है। अमेरिका में बीते 24 घंटों में कोरोना के चार लाख से अधिक मामले सामने आए हैं। यही नहीं एक दिन में 2500 से ज्यादा लोगों की मौत भी हुई है। अमेरिका में अब तक 1.76 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं जबकि 3,16,144 लोगों की मौत हुई है। पाकिस?तान में भी कोरोना का प्रकोप बढ़ता जा रहा है।

भारत में 95.51 फीसद हुई रिकवरी रेट

संक्रमण के लिहाज से दूसरा सबसे बड़ा देश भारत है जहां संक्रमितों की संख्या एक करोड़ को पार कर गई है। हालांकि अच्छी बात यह हैं कि ठीक हो चुके मरीजों का आंकड़ा 96 लाख के करीब पहुंच गया है। नए मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक रहने से सक्रिय मामले घटकर 3.05 लाख रह गए हैं। भारत में महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,45,477 हो गई है। भारत में मरीजों के उबरने की दर बढ़कर 95.51 फीसद हो गई है जबकि मृत्युदर 1.45 फीसद पर बनी हुई है।

पाकिस्तान में अब तक 9,330 की मौत

पाकिस्तान में बीते 24 घंटे में कोरोना महामारी से 80 लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही मृतकों का आंकड़ा 9,330 हो गया है। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक, पाक में बीते 24 घंटे में 2,615 नए मामले सामने आए जिसके साथ संक्रमितों का आंकड़ा 457,288 हो गया है। पाक के राष्ट्रीय कमान और ऑपरेशन सेंटर के मुताबिक मौजूदा वक्त में देश में संक्रमण की दर 7.02 फीसद है। पाकिस्तान में सक्रिय मामलों की संख्या 40,553 है। पाकिस्तान के सिंध में 204,103, पंजाब में 131,428 और खैबर पख्तूनख्वा में 54,948 मामले रिकॉर्ड किए गए हैं।

नेपाल में भी बढ़े केस

नेपाल में भी कोरोना संक्रमण के मामलों में इजाफा हुआ है। नेपाल में कोरोना के 710 नए मामले सामने आए हैं जिसके साथ संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 2,53,184 हो गया है। देश में पिछले 24 घंटे में 4,780 नमूनों की जांच की गई है। महामारी से नेपाल में बीते 24 घंटे में 12 और मरीजों ने दम तोड़ दिया जिसके साथ मृतकों की कुल संख्या 1,777 हो गई है। नेपाल में 8,840 मरीजों का इलाज जारी है। नेपाल में अब तक ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 2,42,567 हो गई है।

एक नजर इन मुल्कों पर

वहीं ब्राजील में संक्रमितों की संख्या 72.13 लाख को पार कर गई है। ब्राजील में अबतक 1.86 लाख से ज्यादा मरीजों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना के मामले 27.92 लाख को पार कर गए हैं जबकि 49,170 लोगों की मौत हो गई है। फ्रांस में अब तक 25.16 लाख से ज्यादा लोग संक्रमण की चपेट में आए हैं जबकि

60,534 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन में 20.10 लाख से ज्यादा लोग महामारी की चपेट में आए हैं जबकि 67,177 लोगों की मौत हुई है। इटली में 19.38 लाख से ज्यादा केस सामने आए हैं जबकि 68,447 की मौत हो चुकी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केरल और महाराष्ट्र में रिकवरी कम होने से भारत में एक्टिव मरीजों की संख्या स्थिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इस समय कोरोना से मुक्तहोने वाले मरीजों की संख्या ९६ लाख ३९१ हो गई है। हालांकि एक्टिव मरीजों की संख्या ३ लाख ४ हजार ५९ के आसपास बनी हुई है। उम्मीद की जा रही थी कि यह तीन लाख से नीचे आएगी लेकिन केरल और महाराष्ट्र में नए संक्रमित मरीजों की संख्या के मुकाबले संक्रमित मामले अधिक सामने आने के कारण फिलहाल देश में सक्रिय मरीजों की संख्या तीन लाख से ऊपर बनी हुई है। इस दृष्टि से भारत दुनिया में नौवें स्थान पर है।

रविवार को केरल में ५७११ नए संक्रमित मरीज मिले, जिसके मुकाबले ४४७१ मरीज ठीक हुए। महाराष्ट्र में ३८११ नए संक्रमित मरीज मिले, जबकि २०६४ मरीज ठीक हुए। दोनों राज्यों में कुल मिलाकर ९५२२ नए संक्रमित मरीज मिले जिसके मुकाबले ६५३५ मरीज ठीक हुए। इस प्रकार इन दोनों राज्यों में २९८७ मरीज पहले के मुकाबले अधिक हो गए, जिसके चलते राष्ट्रीय स्तर पर भी रविवार को ठीक होने वाले मरीजों की संख्या के मुकाबले नए संक्रमित मरीजों की संख्या में मामूली इजाफा हुआ। इसके अलावा कर्नाटक, ओडिशा, उत्तराखंड, गोवा, मिजोरम को छोड़कर देश के बाकी राज्यों में नए संक्रमित मरीज ठीक होने वाले मरीजों की संख्या प्रायः अधिक थी। सोमवार को भी आंकड़ों में ज्यादा परिवर्तन की उम्मीद नहीं है, क्योंकि रविवार को टेस्ट कम होते हैं, जिसका नतीजा सोमवार को मिलता है।

समग्र रूप से देखा जाए तो भारत में अन्य देशों के मुकाबले कोरोना नियंत्रित दिखाई दे रहा है। भारत में रिकवरी दर भी ९५त्न से ऊपर हो चुकी है। कोरोना संक्रमण की दर ३त्न से नीचे है। केरल और महाराष्ट्र को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में सक्रिय मरीजों की संख्या २०,००० से कम है। जिस गति से केरल में सक्रिय मरीज बढ़ रहे हैं उसे देखते हुए लग रहा है कि आगामी एक-दो दिन में केरल सर्वाधिक सक्रिय मरीज वाला राज्य बन जाएगा। यहां पर सक्रिय मरीजों की संख्या ६१,६२० हैं, जबकि महाराष्ट्र में सक्रिय मरीजों की संख्या ६२,७४३ हो गई है।

टेस्ट की अधिकता और सक्रिय मरीजों की संख्या में कमी से कोरोना के नियंत्रण का पता चल सकता है।

सक्रिय मरीज जितने कम रहेंगे कोरोना के प्रसार पर उतना ही अंकुश लगा रहेगा।

भोपाल की बीजेपी सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली एम्स में भर्ती

नई दिल्ली/ भोपाल (एजेंसी)। भोपाल से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर बीते कुछ महीनों से रेटिना के पिछले हिस्से में इंफेक्शन का इलाज करवा रही हैं। ये इलाज दिल्ली एम्स के डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है। इसकी जांच के लिए साध्वी प्रज्ञा दिल्ली जाती रहती हैं। इसी स्क्रीन चेकअप के लिए दो दिन पहले सांसद दिल्ली पहुंचीं, लेकिन प्राथमिक जांच के बाद उन्हें दिल्ली एम्स में एडमिट कर लिया गया है। उनका कोरोना टेस्ट करवाया गया जो नेगेटिव है, लेकिन पूरी तरह स्वस्थ होने तक उन्हें अभी कुछ और दिन एम्स में रहना होगा। एम्स में साध्वी प्रज्ञा का कोरोना टेस्ट करवाया गया जो नेगेटिव है।

लेकिन पूरी तरह स्वस्थ होने तक उन्हें अभी कुछ और दिन एम्स में रहना होगा। इस बीच, सांसद कार्यालय ने बताया है कि अस्पताल में होने की वजह से वह एनआईए कोर्ट नहीं जा सकीं।

लेकिन कोर्ट की अगली तारीख पर वह प्रस्तुत होकर अपना पक्ष रखेंगी।

शुक्रवार को मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए कोर्ट में साध्वी प्रज्ञा को पेश होना था, लेकिन तबीयत खराब होने की वजह से वो कोर्ट नहीं पहुंचीं। साध्वी प्रज्ञा रेटिना इंफेक्शन, सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याओं से लंबे समय से ग्रसित हैं जिसका इलाज दिल्ली एम्स के डॉक्टरों की देखरेख में चल रहा है।

नई दिल्ली में रविवार को सेक्रेड हार्ट चर्च गोल बाजार में क्रिसमस की तैयारी करते ईसाई बंधु।

अन्नदाताकिसान भाईयों के सम्मान में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

नई दिल्ली में रविवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार के नेतृत्व में दिल्ली के सभी जिलों में जिला कांग्रेस अध्यक्षों द्वारा केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा पारित तीन काले कानून के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर धरने के दौरान प्राण न्योछावर करने वाले अन्नदाता किसान भाईयों के सम्मान में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

नई दिल्ली में रविवार को आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह की अध्यक्षता में आम आदमी पार्टी भोपाल जोन कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न हुआ।

शाह का बंगाल में भव्य रोड शो, कार्यकर्ताओं ने किया गर्मजोशी से स्वागत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में रविवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने काफी उत्साह के साथ एक भव्य रोड शो निकाला, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बोलपुर में रोड शो स्टेडियम रोड पर हनुमान मंदिर से शुरू हुआ और बोलपुर सर्कल तक जारी रहा। शाह ने कहा, हम बंगाल में 200 से अधिक विधानसभा सीटों के साथ सरकार बनाएंगे। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के कुशासन के खिलाफ आवाज उठने के लिए कई लोग बंगाल में भाजपा में शामिल हो रहे हैं। तृणमूल के बाहरी बयान का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने पर पश्चिम बंगाल में एक बंगाली मुख्यमंत्री होगा। भगवा रंग में रंगे बोलपुर जिले में अमित शाह के आगमन के उपलक्ष्य मे उत्सव जैसा माहौल हो गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हजारों समर्थकों ने सड़कों पर पार्टी के झंडे के लहराए और शाह का आज दोपहर शानदार स्वागत किया। शाह ने नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के विश्व भारती विश्वविद्यालय का दौरा करने के बाद बोलपुर में रैली की। उन्होंने शांति निकेतन में विश्व भारती परिसर में टैगोर को पुष्पांजलि अर्पित की। शाह ने बीरभूम में श्यामबती का भी दौरा किया, जहां शाह ने भाजपा के राज्य इकाई के अध्यक्ष दिलीप घोष, राष्ट्रीय महासचिव (पश्चिम बंगाल के प्रभारी) कैलाश विजयवर्गीय और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकुल रॉय के साथ एक बाउल गायक के परिवार के साथ उनके निवास पर भोजन किया।

Farmers Protest:

फिर नए कृषि कानूनों के विरोध में 1 दिन की भूख हड़ताल करेंगे किसान

नेशनल डेस्क:

केंद्र के नए कृषि कानूनों के विरोध में किसान सोमवार को सभी प्रदर्शन स्थलों पर एक दिन की क्रमिक भूख हड़ताल करेंगे तथा 25 से 27 दिसंबर तक हरियाणा में सभी राजमार्गों पर टोल वसूली नहीं करने देंगे। दिल्ली की विभिन्न सीमाओं पर हजारों की संख्या में किसान बीते करीब चार हफ्ते से प्रदर्शन कर रहे हैं और नए कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग कर रहे हैं।

स्वराज इंडिया के प्रमुख योगेंद्र यादव ने सिंघू बॉर्डर पर संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''सोमवार को सभी प्रदर्शन स्थलों पर किसान एक दिन की क्रमिक भूख हड़ताल करेंगे। इसकी शुरुआत यहां प्रदर्शन स्थलों पर 11 सदस्यों का एक दल करेगा।'' उन्होंने देशभर में कृषि कानूनों का विरोध कर रहे लोगों से प्रदर्शन स्थलों पर एक दिन की भूख हड़ताल करने का आह्वान किया।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाला ने बताया कि किसान 25 से 27 दिसंबर तक हरियाणा में सभी राजमार्गों पर टोल वसूली नहीं करने देंगे। संवाददाता सम्मेलन में किसान नेता राकेश टिकैत भी मौजूद थे। टिकैत ने कहा कि नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान 23 दिसंबर को किसान दिवस मनाएंगे। उन्होंने कहा, ''हम लोगों से अनुरोध करते हैं कि इस दिन वे दोपहर का भोजन न पकाएं''।

एएमयू शताब्दी समारोह में डाक टिकट जारी करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 22 दिसंबर, 2020 को सुबह 11 बजे अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक आधिकारिक जानकारी देते हुए कहा कि आयोजन के दौरान प्रधानमंत्री एक डाक टिकट भी जारी करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति शसैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक भी उपस्थित रहेंगे। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की स्थापना दिवस के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हो रहे हैं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के 55 साल में ये पहला मौका है, जब कोई प्रधानमंत्री विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। कोरोना संक्रमण के कारण 22 दिसंबर को होने वाला यह शताब्दी समारोह वर्चुअल तरीके से आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहले, 55 वर्ष पूर्व 1964 में लाल बहादुर शास्त्री, प्रधानमंत्री रहते हुए अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। 1875 में सर सैयद अहमद ने मुहम्मद एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज स्थापित किया था। एक दिसंबर 1920 को यह अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के रूप में तब्दील हुआ। 17 दिसंबर 1920 को विश्वविद्यालय के रूप में उद्घाटन हुआ था। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक भी शिरकत करेंगे। इसके अलावा विश्वविद्यालय के छात्रों, अध्यापकों, प्रोफेसर्स एवं कर्मचारियों सहित कई शिक्षाविदों को भी शताब्दी समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय 1920 में भारतीय विधान परिषद के एक अधिनियम के माध्यम से विश्वविद्यालय बना।

बंगाल में 10 हजार सामाजिक संगठनों के जरिए ममता का किला ध्वस्त करने की भाजपा की कोशिश

नई दिल्ली।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का किला ध्वस्त करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने उन दस हजार छोटे-बड़े सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं पर फोकस किया है, जिनका हिंदू मतदाताओं में काफी असर है।

भाजपा ने कई ग्रुप गठित कर इन सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों से जनसंपर्क अभियान शुरू किया है।पार्टी सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान महापुरुषों की जन्मस्थली पर जाने के साथ बुद्धिजीवियों और समाज के अन्य वर्गों के साथ गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की भेंटवार्ता हर वर्ग को पार्टी से जोड़ने की रणनीति का हिस्सा हैं। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं में भी तमाम पंथ और वर्ग हैं, जो रामकृष्ण मिशन, भारत सेवाश्रम संघ, हिंदू मिलन समाज, इस्कॉन आदि संगठनों के अनुसार अपना रुख तय करते हैं।गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को रामकृष्ण मिशन जाकर पश्चिम बंगाल का दो दिवसीय दौरा शुरू किया।उन्होंने रामकृष्ण मिशन जाकर स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर फूल चढ़ाए।

बंगाल में स्वामी विवेकानंद की बेहद स्वीकार्यता है। जनता उन्हें अपना आदर्श मानती है। भाजपा के एक नेता ने आईएएनएस से कहा, पश्चिम बंगाल में रामकृष्ण मिशन के करीब 50 लाख अनुयायी हैं।स्वामी विवेकानंद ने दुनिया में भारत का मान बढ़ाया, लेकिन मौजूदा तृणमूल कांग्रेस सरकार ने न स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं और न ही रामकृष्ण मिशन के कार्य को आगे बढ़ाने की दिशा में कोई पहल की।अब भाजपा पश्चिम बंगाल के सभी महापुरुषों की विरासत को आगे बढ़ाएगी।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की चुनावी रणनीति का दारोमदार प्रशांत किशोर (पीके) के कंधे पर है। जबकि भाजपा कई थिंकटैक के माध्यम से ममता बनर्जी की हर रणनीति का काउंटर करने में जुटी है।

ऐसा ही एक थिंक टैंक है-श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन। दिल्ली के अशोका रोड से संचालित यह थिंकटैंक भी पश्चिम बंगाल में भाजपा की रणनीति तय करने में अहम भूमिका निभा रहा है। गृहमंत्री अमित शाह के दौरे के दौरान फाउंडेशन के डायरेक्टर अनिर्बान गांगुली भी मौजूद रहे।भाजपा का थिंक टैंक पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के अनुरूप रणनीति बनाने में जुटा है।शुरूआत में भाजपा ने कार्यक्रमों में जय श्रीराम के नारे लगाने शुरू किए तो ममता बनर्जी ने इसे उत्तर भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को बंगाल की जनता पर थोपने की बात कही थी।

800 वर्षों बाद आज सबसे करीब होंगे बृहस्पति और शनि

देश के ज्यादातर हिस्सों में सूर्यास्त के बाद दिखेगा दुर्लभ नजारा

नई दिल्ली, एजेंसियां।

सर्दियों में दिन छोटे और रातें लंबी होने लगती हैं। अंग्रेजी कैलेंडर के अंतिम महीने की 21 तारीख को जब इस साल की सबसे लंबी रात होगी तो दुनियाभर के खगोल-विज्ञानियों की नजरें आकाश पर टिकी रहेंगी। दरअसल, सोमवार की रात को एक विशिष्ट खगोलीय घटना होने जा रही है, जिसमें सौरमंडल के सबसे बड़े दो ग्रहों बृहस्पति और शनि को देखने पर लगेगा कि वे बहुत करीब हैं। बृहस्पति और शनि के दुर्लभ मिलन की घटना लगभग 800 साल बाद होने जा रही है।

घटना को ग्रेट कंजक्शन दिया गया नाम

हालांकि, खगोल विज्ञानियों का कहना है कि अंतरिक्ष में बृहस्पति और शनि वास्तव में एक-दूसरे से करोड़ों किलोमीटर दूर होंगे लेकिन धरती से देखने पर अपनी विशिष्ट स्थिति के कारण वे एक-दूसरे के अत्यंत समीप दिखाई देंगे। दोनों ग्रहों के मिलन के इस घटनाक्रम को महा-संयोजन (ग्रेट कंजक्शन) कहा जा रहा है।

करीब आते जाएंगे शनि और बृहस्पति

एमपी बिड़ला तारामंडल के निदेशक देबी प्रसाद दुआरी के अनुसार, %दो खगोलीय पिंड पृथ्वी से एक दूसरे के बहुत करीब होते हैं, तो इस घटनाक्रम को कंजक्शन कहते हैं जबकि, शनि और बृहस्पति के इस तरह के मिलन को %डबल प्लेनेट% या ग्रेट कंजक्शन कहते हैं।% उन्होंने बताया है कि 21 दिसंबर को दोनों ग्रहों के बीच की दूरी करीब 73.5 करोड़ किलोमीटर होगी। हर दिन ये दोनों एक-दूसरे के करीब आते जाएंगे। गर्मियों के बाद से ही बृहस्पति और शनि लगातार एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं।

क्षितिज के नीचे होगा ग्रहों का मिलन

भारत में अधिकतर शहरों में सूर्यास्त के पश्चात इस घटनाक्रम को देखा जा सकता है। खगोल-विज्ञानियों का कहना है कि 21 दिसंबर के आसपास पश्चिम की ओर क्षितिज के बिल्कुल नीचे दो ग्रहों को एक दूसरे से मिलते हुए देखा जा सकता है। इस दौरान सौरमंडल का पांचवां ग्रह बृहस्पति और छठवां ग्रह शनि 0.1 डिग्री की नजदीकी में दिखाई देंगे। नासा के अनुसार, अगले दो हफ्तों में, जैसे-जैसे उनकी कक्षाएं अधिक निकटता से संरेखित होंगी, दोनों ग्रह करीब खिचेंगे, जब तक कि वे एक डिग्री के दसवें हिस्से के बराबर करीब नहीं आ जाते।

सबसे निकटतम स्थिति

अमेरिका की हॉर्वर्ड कॉलेज ऑब्जर्वेटरी और स्मिथसोनियन एस्ट्रोफिजिकल ऑब्जर्वेटरी द्वारा संयुक्त रूप से संचालित एक अनुसंधान संस्थान - सेंटर फॉर एस्ट्रोफिजिक्स, हार्वर्ड ऐंड स्मिथसोनियन के एक प्रवक्ता एमी सी. ओलिवर के मुताबिक, 'वर्ष 1623 के करीब 400 वर्षों के बाद यह हमारे सौरमंडल के सबसे बड़े ग्रहों शनि और बृहस्पति का निकटतम संरेखण होगा।' उन्होंने कहा है कि वर्ष 1226 के बाद दोनों ग्रहों का यह सबसे निकटतम आमना-सामना होगा, जिसे देखा जा सकेगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

शिवसेना सांसद संजय राउत का दावा, किसान आंदोलन पर चर्चा से बचने के लिए रद्द किया गया शीतकालीन सत्र

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि केन्द्र सरकार द्वारा लाए गए कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसान आंदोलन पर चर्चा से बचने के लिये संसद का शीतकालीन सत्र रद्द किया गया है। शिवसेना के मुखपत्र सामना में अपने साप्ताहिक लेख रोकटोक में राउत ने ऐसे समय में सेंट्रल विस्टा परियोजना पर एक हजार करोड़ रुपये खर्च करने की जरूरत पर भी सवाल उठाए जब नरेन्द्र मोदी सरकार चचा कराने और संसद सत्र बुलाने की इच्छुक नहीं दिख रही है। केन्द्र सरकार द्वारा लाए गए नए कृषि कानूनों के खिलाफ हजारों किसान दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं। वे कानूनों को निरस्त करने की मांग पर अड़े हैं।

भारत में कोरोना संक्रमण के 26,624 नए मामले, अबतक 95 लाख से अधिक मरीज हो चुके हैं ठीक

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 26,624 नए मामले सामने आने के बाद देश में अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,00,31,223 हो गई है, जिनमें से 95.80 लाख लोग स्वस्थ हो चुके हैं और संक्रमण के बाद लोगों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 95.51 प्रतिशत हो गई है। मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण के कारण 341 और लोगों की मौत हो जाने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,45,477 हो गई है। देश में 95,80,402 लोग संक्रमण के बाद स्वस्थ हो चुके हैं और लोगों के संक्रमणमुक्त होने की दर 95.51 प्रतिशत हो गई है जबकि इस संक्रमण के कारण मृत्युदर 1.45 प्रतिशत पर बनी हुई है। उपचाराधीन संक्रमितों की संख्या लगातार 14वें दिन चार लाख से नीचे है।

उत्तर प्रदेश के खाद्य रसद विभाग को 30 दिसंबर को राष्ट्रपति कोविंद देंगे डिजिटल इंडिया पुरस्कार

लखनऊ। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पारदर्शिता एवं बेहतर प्रबंधन के लिए उत्तर प्रदेश के खाद्य एवं रसद विभाग को 30 दिसंबर को 'राष्ट्रीय डिजिटल इंडिया' पुरस्कार प्रदान करेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय ने शनिवार रात ट्वीट किया, 'उत्तर प्रदेश के खाद्य एवं रसद विभाग को यह पुरस्कार ई-पास से आधार आधारित खाद्यान्न वितरण, जीपीएस आधारित खाद्यान्न परिवहन ट्रैकिंग, किसानों से खाद्यान्न खरीद का भुगतान, ऑनलाइन बिलिंग प्रणाली हेतु प्रदान किया जा रहा है।'' इस घोषणा से उत्साहित खाद्य एवं रसद विभाग ने शनिवार को कहा, हम भविष्य में भी मेहनत कर उत्तर प्रदेश को गौरवान्वित करते रहेंगे।

गोवा के मुख्यमत्री ने अपनी पत्नी के साथ राष्ट्रपति से की मुलाकात, लामण दिवा और कुनबी साड़ी भेंट की

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और उनकी पत्नी सुलक्षणा ने यहां रविवार को राजभवन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की तथा उन्हें एक 'लामण दिवा' और कुनबी साड़ी उपहार में दी। ये दोनों चीजें तटीय राज्य की पहचान, संस्कृति एवं समृद्ध इतिहास का प्रतीक हैं। कोविंद, पुर्तगाल के कब्जे से गोवा की आजादी की 60वीं वर्षगांठ समाराहों में भाग लेने के लिए राज्य की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। 'लामण दीवा', पीतल का दीप होता है, जबकि कुनबी साड़ी गोवा में महिलाओं का पारंपरिक परिधान है।

पश्चिम बंगाल का पहला तेल एवं गैस रिजर्व, पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने देश को किया समर्पित

अशोकनगर। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में एक तेल एवं गैस उत्पादन फील्ड रविवार को देश को समर्पित किया। यह राज्य में पहला तेल एवं गैस रिजर्व है। प्रधान ने कहा कि कोलकाता से लगभग 47 किलोमीटर दूर स्थित पेट्रोलियम रिजर्व से उत्पादन शुरू हो गया है और निकाले जा रहे तेल को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) की हल्दिया रिफाइनरी भेजा जा रहा है। उन्होंने परियोजना का उद्घाटन करने के बाद कहा, ''अशोकनगर तेल एवं गैस रिजर्व से उत्पादन शुरू होने के साथ ही पश्चिम बंगाल भी उन राज्यों में शामिल हो गया है जहां तेल निकाला जाता है।'' राज्य में तेल एवं गैस का पहला रिजर्व 2018 में खोजा गया था। उन्होंने कहा कि महानदी-बंगाल-अंडमान (एमबीए) बेसिन के अंतर्गत आने वाला अशोकनगर फील्ड व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी (पीएसयू) ओएनजीसी ने अशोकनगर तेल क्षेत्र की खोज के लिए 3,381 करोड़ रुपये खर्च किए थे। उन्होंने कहा कि कंपनी ओपन एक्रियेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएलएपी) के तहत दो और कुओं की खोज करेगी। मंत्री ने कहा कि अशोकनगर रिजर्व में खोजा गया कच्चा तेल उच्च गुणवत्ता का है। उन्होंने कहा कि तेल क्षेत्र से वाणिज्यिक उत्पादन होने से पश्चिम बंगाल के राजस्व में वृद्धि होगी और राज्य में रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे।

डीडीसी चुनाव सम्पन्न होने पर बोले उपराज्यपाल सिन्हा, निर्वाचित प्रतिनिधि जम्मू-कश्मीर को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे

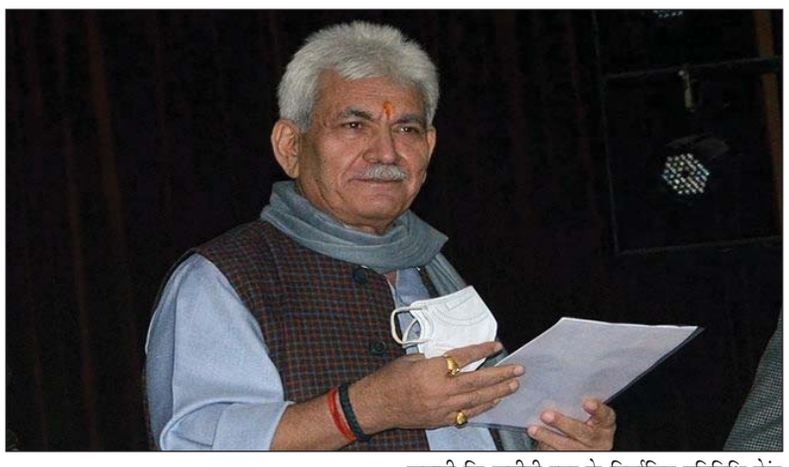

जम्मू। (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर में आठ चरण के डीडीसी चुनाव सफल तरीके से सम्पन्न होने के एक दिन बाद, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को उम्मीद जतायी कि जमीनी स्तर के निर्वाचित प्रतिनिधि केंद्र शासित प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद करेंगे। सिन्हा ने मतदाताओं, चुनावी मशीनरी और सुरक्षा एजेंसियों के अलावा राजनीतिक दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों को 'लोकतंत्र के त्योहार' में उनकी भागीदारी के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने का अपना वादा पूरा किया। सिन्हा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''लोकतंत्र का त्योहार कल (शनिवार) समाप्त हुआ और मुझे उम्मीद है कि यह जम्मू-कश्मीर के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। मतदान का प्रतिशत (डीडीसी चुनावों के सभी आठ चरणों में) एक बात स्पष्ट करता है कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।'

उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के बावजूद लोग, चाहे युवा हों या बुजुर्ग, पुरुष हों या महिलाएं, किसान, मजदूर, पेशेवर और व्यापारी, सभी लोकतंत्र में अपने विश्वास को व्यक्त करने के लिए सभी चरणों में मतदान केंद्रों पर कतारबद्ध थे। सिन्हा ने कहा, ''यदि हम इस चुनाव की तुलना पिछले लोकसभा चुनावों से करें तो इस बार मतदान दोगुना था और मैं इसका सीधा श्रेय प्रशासन द्वारा लोगों के साथ उनके दरवाजे पर उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए किये गए संवाद को देता हूं।'' उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन ने पंचायती राज प्रणाली के सुदृढ़ीकरण में आ रही कमियों को दूर करने के लिए संविधान के 73 वें और 74 वें संशोधन को लागू करने के लिए पिछले चार महीने में काम किया।

उपराज्यपाल ने कहा, ''डीडीसी चुनाव पहली बार जम्मू-कश्मीर में हुए... मैं सभी राजनीतिक दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने देश के संविधान में अपना विश्वास दोहराया और संवैधानिक परिवर्तनों को स्वीकार किया।'' उन्होंने कहा, ''चुनाव से पहले, मैंने शांतिपूर्ण और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों का वादा किया था। मुझे खुशी है कि कुछ छोटी घटनाओं को छोड़कर, चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हुए...।'' उपराज्यपाल ने कहा, ''आने वाले दिनों में, प्रत्येक जिले के विकास के लिए डीडीसी बनाए जाएंगे। निर्वाचित प्रतिनिधियों को पूरी जिम्मेदारी मिलेगी और हम जम्मू-कश्मीर को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने और जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए काम करेंगे और कल्याणकारी योजनाएं हर घर तक पहुंचेंगी।''

सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 दिसंबर को केंद्रशासित प्रदेश में सोशल एंडेवर फॉर हेल्थ एंड टेलीमेडिसिन (एसईएचएटी) योजना की शुरुआत करेंगे।'' उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के साथ एकीकरण में सभी निवासियों को नि- शुल्क सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने के लिए जम्मू-कश्मीर स्वास्थ्य योजना शुरू करने की पहले ही मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा, ''योजना पहले गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले 30 लाख लोगों को लाभान्वित करने के लिए थी। इस योजना के तहत एक करोड़ से अधिक और लोगों को कवर किया जाएगा, जिससे केंद्र शासित प्रदेश की पूरी जनसंख्या इसके तहत आ जाएगी।

पश्चिम बंगाल में बोले अमित शाह- सीएए के नियम बनाना बाकी, वैक्सीन आने के बाद होगा विचार

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल के दो दिनों के दौरे के अंतिम दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि संशोधित नागरिकता कानून के सिर्फ नियम बनना बाकी हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस की वैक्सीन बन जाने के बाद सरकार आगे विचार करेगी। बंगाल में रोड शो के आयोजन के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शाह ने सीएए, बंगाल के अगले मुख्यमंत्री समेत कई मुद्दों पर खुलकर जवाब दिए।

संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में अमित शाह ने कहा, 'सीएए के अभी नियम बनना बाकी हैं। कोरोना वायरस महामारी के चलते यह नहीं हो सका है। जैसे ही वैक्सीन आ जाएगी, उसके बाद सरकार विचार करके जानकारी देगी।'

अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी भी दी कि अगर बीजेपी को राज्य में जीत मिलती है, तो फिर पार्टी किसे अपना मुख्यमंत्री घोषित करेगी। शाह ने कहा कि बंगाल का अगला मुख्यमंत्री बीजेपी इसी राज्य से बनाएगी। हालांकि, क्या पार्टी चुनाव से पहले मुख्यमंत्री उम्मीदवार उतारेगी या नहीं, शाह ने कहा कि पार्लियामेंट्री बोर्ड की बैठक में यह फैसला लिया जाएगा।

लोकतांत्रिक तरीकों से देंगे हिंसा का जवाब :शाह

अमित शाह ने कहा कि बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने तय किया है कि हिंसा का जवाब हम लोकतांत्रिक तरीकों से देंगे। बंगाल में आने वाले चुनाव में इस सरकार को हम परास्त करके दिखाएंगे। उन्होंने कहा, 'बंगाल में राजनीतिक हिंसा चरम पर है। 300 से ज्यादा बीजेपी के कार्यकर्ताओं की हत्या की गई है। बीजेपी कार्यकर्ताओं की हत्या के मामले की जांच में एक इंच भी प्रोग्रेस कहीं पर दिखाई नहीं पड़ती है।' शाह ने कहा कि मैं आज इस प्रेस वार्ता के माध्यम से तृणमूल कांग्रेस के सभी नेताओं को बताना चाहता हूं कि आप गलतफहमी में मत रहिए कि इस प्रकार के हमले से से बीजेपी की गति, भाजपा का कार्यकर्ता रुकेगा या बीजेपी अपने कदम पीछे लेगी।

बंगाल चुनावों में बीजेपी की जीत तयः शाह

वहीं, अमित शाह ने रविवार को रोड शो में उमड़ी भीड़ से उत्साहित होकर कहा कि आज तक उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में लोगों की इतनी जबर्दस्त भीड़ नहीं देखी है जो संकेत है कि पश्चिम बंगाल में लोग परिवर्तन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। डाक बंगलो से चौरास्ता तक एक किलोमीटर के रोड शो को कवर करने के लिए सड़क पर हजारों लोगों के जमावड़े के कारण ज्यादा समय लग गया और खुले हुड वाले ट्रक को आगे बढ़ने से रोक दिया गया जिसमें शाह सवार थे।

उद्धव ठाकरे का केंद्र सरकार पर आरोप, बोले- मेट्रो कार शेड भूमि मुद्दे पर राज्य के खिलाफ अदालत का किया रुख

मुंबई। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि वह बातचीत के माध्यम से कांजुरमार्ग मेट्रो कार शेड भूमि मुद्दे का समाधान करने के लिए तैयार हैं। राज्य के लोगों को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए ठाकरे ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने इस मुद्दे पर राज्य के खिलाफ अदालत का रुख किया। उन्होंने कहा, ''हमारे पास यह साबित करने के लिए सभी दस्तावेज हैं कि जमीन राज्य सरकार की है। यदि भूमि के स्वामित्व पर कोई विवाद है, तो बातचीत के माध्यम से मुद्दे का हल किया जा सकता है।''

उन्होंने लोगों से पूछा, ''क्या स्वामित्व के मुद्दों के कारण भूमि पर अधिकार छोड़ देना चाहिए और क्या इसे बिल्डरों को दे दिया जाना चाहिए?'' बम्बई उच्च न्यायालय ने मेट्रो कार शेड के निर्माण के लिए मुंबई के कांजुरमार्ग इलाके में 102 एकड़ भूमि आवंटित करने के मुंबई उपनगर के जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश पर बुधवार को रोक लगा दी थी। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की पीठ ने उक्त जमीन पर किसी भी तरह के निर्माण कार्य पर भी रोक लगा दी थी। मेट्रो कार शेड के निर्माण के लिए राज्य द्वारा चिह्नित जमीन के मालिकाना हक को लेकर केंद्र और शिवसेना नीत महाराष्ट्र सरकार के बीच तकरार चल रही है।

केंद्र सरकार ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर कार शेड के लिए जमीन आवंटित करने के जिलाधिकारी के एक अक्टूबर के आदेश को चुनौती दी थी और कहा कि यह जमीन उसके (केंद्र के) नमक विभाग की है। ठाकरे ने कहा कि 30 हेक्टेयर में फैली आरे कार शेड सिर्फ मेट्रो लाइन तीन के लिए थी, जबकि 40 हेक्टेयर कांजुरमार्ग भूमि का उपयोग मेट्रो लाइन--तीन, चार और छह के लिए कार शेड के वास्ते किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि विरोध के बावजूद यहां बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में सबसे महंगी जमीन केंद्र सरकार की बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए दी गई थी। उन्होंने कहा कि हमने अवरोध पैदा नहीं किया। यदि आप कांजुरमार्ग में समस्याएं पैदा करते हैं और हम बीकेसी में करते हैं, तो एक दूसरे की परियोजनाओं में समस्याएं पैदा करने से कुछ भी हासिल नहीं होगा।

आंदोलनकारी किसानों में गजब का हौसला, कड़ाके की ठंड के बावजूद प्रदर्शन स्थल पर जमे हैं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली शीत लहर की चपेट में है,इसके बावजूद केंद्र के कृषि कानूनों का दिल्ली की सीमाओं पर विरोध कर रहे किसान अपनी मांगों को लेकर डटे हुए हैं। शहर में रविवार को पारा 3.4 डिग्री सेल्सियत तक गिर गया जो इस मौसम में अब तक का सबसे न्यूनतम तापमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने कहा,÷सफदरजंग वेधशाला में रविवार सुबह न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री नीचे 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है।÷ किसान आंदोलन शुरू हुए चार सप्ताह हो चुके हैं और इसके कारण सीमा पर कई बिंदुओं पर यातायात का मार्ग परिवर्तित किया गया है जिसकी वजह से यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

किसान आंदोलन जब से शुरू हुआ है तब से ही दिल्ली यातायात पुलिस लगातार ट्वीट कर सड़के बंद होने और वैकल्पिक मार्गों से जुड़ी जानकारी यात्रियों को दे रही है। दिल्ली यातायात पुलिस ने रविवार को ट्विटर के जरिये बताया कि टिकरी और धंसा बॉर्डर यातायात के लिए बंद है और झटिकारा बॉर्डर केवल दोपहिया वाहनों और पैदल यात्रियों के लिए खुला है। दिल्ली यातायात पुलिस ने कहा कि हरियाणा जाने वाले लोगों के लिए झड़ोदा, दौराला, कापसहेड़ा, बदूसराय, रजोकरी एनएच 8, बिजवासन/बजघेड़ा, पालम विहार और डूंडाहेड़ा बॉर्डर खुले हैं। यातायात पुलिस के अनुसार नोएडा और गाजियाबाद से दिल्ली आने के लिए गाजीपुर सीमा बंद है।

यातायात पुलिस ने कहा कि दिल्ली आने वाले लोग आनंद विहार, डीएनडी, अप्सरा और भोपुरा बॉर्डर का वैकल्पिक मार्ग अपना सकते हैं। दिल्ली और नोएडा के बीच चिल्ला बॉर्डर केवल एक तरफ से खुला है और नोएडा से दिल्ली आने का रास्ता बंद है। यातायात पुलिस ने कहा, ÷सिंघू, औचंदी, पियाउ मनियारी, सभोली और मंगेश बॉर्डर बंद है। कृपया लम्पुर, सफियाबाद और सिंघू स्कूल टोल टैक्स बॉर्डर का उपयोग करें। यातायात को मुकर्बा और जीटीके रोड से मोड़ दिया गया है।

राजधानी दिल्ली में बर्फीली हवाओं के कारण ठंड का प्रकोप बरकरार, पारा 3.4 डिग्री सेल्सियस तक गिरा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को कड़ाके की ठंड का प्रकोप जारी रहा और न्यूनतम तापमान गिरकर 3.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया जो कि इस मौसम में अब तक का सबसे कम तापमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने कहा, 'सफदरजंग वेधशाला में रविवार सुबह तापमान सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस नीचे 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है।' लोधी रोड में तापमान 3.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आईएमडी की ओर से बताया गया कि बर्फ से ढके पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र से चलने वाली बर्फीली हवाओं के कारण शहर में ठंड का प्रकोप बरकरार है। शुक्रवार को जाफरपुर मौसम केंद्र में न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। शहर में बृहस्पतिवार को 'बेहद' ठंडा दिन दर्ज किया गया था जब अधिकतम तापमान गिरकर 15.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था जो कि सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस कम था और इस मौसम का सबसे कम तापमान था। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 19.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और शनिवार को यह 21.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

आईएमडी के अनुसार 'ठंडा दिन' तब होता है जब न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम होता है और अधिकतम तापमान सामान्य से कम से कम 4.4 डिग्री सेल्सियस नीचे होता है। 'बेहद ठंडा दिन' तब होता है जब अधिकतम तापमान सामान्य से कम से कम 6.5 डिग्री सेल्सियस नीचे होता है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच से छह दिन तक न्यूनतम तापमान करीब पांच डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

कोरोना वैक्सीन के नाम पर हो रही साइबर ठगी की कोशिश, बुकिंग के नाम पर पर मांग रहे डिटेल

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

यदि आपके पास कोरोना की वैक्सीन बुक कराने के लिए किसी का फोन आए तो उससे अपनी कोई जानकारी साझा न करें। भारत में कोरोना वैक्सीन को आने में भले ही अभी थोड़ा समय हो, लेकिन इसके नाम पर लोगों को ठगने के लिए अपराधी सक्रिय हो गए हैं। निजी जानकारियां पूछकर बैंक खातों से रपये हड़पने वाले साइबर ठगों ने अब कोरोना वैक्सीन बुक कराने के नाम पर लोगों को झांसा देना शुरू कर दिया है। भोपाल पुलिस की साइबर सेल में आधा दर्जन ऐसी शिकायतें आ चुकी हैं। पुलिस ने जांच भी शुरू कर दी है। अच्छी बात यह रही कि ठगों की बातचीत के तरीके ने लोगों के मन में शक पैदा कर दिया और उन्होंने अपने खाते की जानकारी या बैंक से मिलने वाले ओटीपी देने से मना कर दिया, इससे वे फर्जीवाड़े से बच गए। गौरतलब है कि कोरोना वैक्सीन का फिलहाल परीक्षण जारी है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कोरोना वैक्सीन के लिए इस तरह की कोई बुकिंग नहीं की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ताओं ने बताया कि साइबर ठग फोन कर कहते हैं कि आपको डॉक्टर से पहले कोरोना वैक्सीन चाहिए तो आप बुक कर लें, इसके लिए अतिरिक्त चार्ज देना होगा। इसके बाद वे लोगों से बैंक खाता नंबर, पैन कार्ड और आधार कार्ड की जानकारी मांगते हैं। इसके साथ ही कई लोग एटीएम कार्ड का नंबर भी मांगते हैं। पुलिस के मुताबिक फिर वे कोरोना वैक्सीन बुक करने के लिए उनके मोबाइल नंबर पर आया वन टाइम पासवर्ड (ओटीपी) मांगकर खातों से रपये निकाल सकते हैं। ठग फिलहाल इस ओटीपी को वैक्सीन बुक होने की पुष्टि होना बता रहे हैं।

केस-1: गांधीनगर निवासी संदीप सिंह ने शिकायत में बताया कि उनके पास एक फोन आया। फोन करने वाले ने कोरोना वैक्सीन लगाने की बात कही और उनके खाते से संबंधित जानकारी ले ली। उन्हें बात करने के लहजे से कुछ शक हुआ तो उन्होंने फोन काट दिया। उसके बाद भी लगातार फोन आ रहे हैं।

केस-2: शाहपुरा निवासी जितेंद्र वर्मा ने शिकायत की है कि उनकी मां कोरोना संक्रमित थी। उनके पास एक अनजान नंबर से फोन आया। उसकी भाषा भी अजीब थी। उसने कोरोना वैक्सीन लगवाने की बात कही और यह भी आश्वासन दिया कि डॉक्टर से पहले उनको वैक्सीन लग जाएगी। फोन करने वाला खाते से संबंधित जानकारी मांगने लगा। वे समझ गए कि यह ठग है। उसका नंबर ब्लॉक कर दिया है लेकिन उसके अभी भी अलग-अलग नंबर से फोन आ रहे हैं।

ठगी से बचने के लिए यह करें

- अनजान नंबर से फोन आने पर उसकी भाषा या बोली अजीब लगे तो ज्यादा बात नहीं करें।
- खाता नंबर, एटीएम कार्ड, पिन और बैंक से संबंधित अपनी कोई जानकारी फोन पर किसी से साझा नहीं करें।
- इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग कर रहे हैं तो उसमें ऐसा खाता लिंक करें जिसमें राशि कम हो।

कोरोना वैक्सीन की यह है स्थिति

मध्य प्रदेश के राज्य टीकाकरण अधिकारी डा. संतोष शुक्ला ने कहा कि कोरोना वैक्सीन राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत लगेगा। अभी सरकार द्वारा चिह्नित लोगों को ही वैक्सीन लगाया जाना है। टीकाकरण केंद्र पर कोई एक पहचान पत्र लेकर जाना होगा या

फिर स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रेषित एसएमएस दिखाना होगा। टीकाकरण कब से होगा इसकी जानकारी प्रचार माध्यमों से दी जाएगी। बहकावे में न आएं।

भोपाल के साइबर सेल के एएसपी रजत सकलेचा ने कहा कि सबसे पहले कोरोना वैक्सीन लगवाने के लिए लोगों के पास हैकर्स के फोन आ रहे हैं। कुछ शिकायतें आई हैं। जांच की जा रही है। हमारी अपील है कि इस प्रकार के फोन आने पर बैंक खाते से संबंधित जानकारी बिलकुल न दें।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)